संपादक :
राकेश कुमार
Mob.: 9560484749

(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)
DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021
Title Code : DELHIN28978

यूनिवर्सल मीडिया

दिल्ली से प्रकाशित व भारतवर्ष में प्रसारित
Email : universalmedianews18@gmail.com, Mob.: 9560484749

इस जहां के नूर -पंजाब...

वर्ष-3 अंक-46 बृहस्पतिवार 8 मई से 14 मई 2025 नई दिल्ली, संपादक : राकेश कुमार पृष्ठ-8 मूल्यः 1.00 रूपये

कौन हैं विक्रम मिसरी, जिन्होंने दुनिया के सामने खोला पाकिस्तान का काला चिट्ठा?

एजेंसी

नई दिल्ली।। 6-7 मई की रात जब पूरी दुनिया सो रही थी, उस समय भारतीय सेना पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने में जुटी थी. 30 मिनट के ऑपरेशन में इंडियन आर्मी ने 9 आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया. सुबह तक इसकी किसी को आधिकारिक जानकारी नहीं थी.

इसी बीच सूचना आई कि सेना और विदेश विभाग की ओर से एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में इसके बारे में जानकारी दी जाएगी. जिसके बाद तकरीबन 10.30 बजे प्रेस कांफ्रेंस में एक शख्स सामने आया. जिसके साथ भारतीय सेना की दो महिला अधिकारी सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भी आईं. इस शख्स ने दोनों का परिचय कराया और भूमिका बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी के लिए माइक इन दोनों अधिकारियों के हवाले कर दिया. आज भी इस अधिकारी ने प्रेस बीफ्रिंग में भारत पाकिस्तान के बीच चल रही कार्रवाई के बारे में जानकारी दी. आइए आपको बताते हैं ये अधिकारी कौन हैं

जब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रेस ब्रीफिंग हुई, तो सबसे पहले वहां जो शख्स मौजूद थे. उनका नाम है विक्रम मिसरी. विक्रम मिसरी विदेश सचिव हैं. कश्मीरी पंडित परिवार में जन्मे विक्रम मिसरी इंडियन फॉरेन सर्विसेज (IFS) में अधिकारी हैं.विक्रम मिसरीदेश के 35वें विदेश सचिव हैं. विक्रम मिसरी ने आज भी एक प्रेस ब्रीफिंग में भारत की कार्वाई को लेकर जानकारी दी. आज भी उन्होंने कई ऐसी बातें बताई जिसमें दुनिया के सामने पाकिस्तान का काला चिट्ठा खोलकर रख दिया. उन्होंने अपनी प्रेस ब्रिफिंग में कहा कि हमने पाकिस्तान को आतंक और आतंकवादियों के कई सबूत दिए. विक्रम मिस्री ने यह भी कहा कि मुझे यह याद दिलाने की आवश्यकता नहीं है कि ओसामा बिन लादेन कहां पाया गया था और किसने उसे शहीद कहा था. इस तरह उन्होंने पाकिस्तान को उसकी कई करतूतें गिनाईं.

कश्मीरी पंडित परिवार में जन्में विक्रम मिसरी : विक्रम मिसरी का जन्म 7 नवंबर 1964 को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुआ. वह एक कश्मीरी पंडित परिवार से आते हैं. विक्रम मिसरी की शुरुआती पढ़ाई श्रीनगर के बर्न हॉल स्कूल और ॐ स्कूल से हुई. इसके अलावा वह मध्य प्रदेश के ग्वालियर के सिंधिया स्कूल में भी पढ़ाई कर चुके हैं.विक्रम मिसरी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से हिस्ट्री में ग्रेजुएशन किया. इसके बाद झारखंड के जमशेदपुर के जेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट से MBA किया. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एडवर्टाइजिंग से की.इसके बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सर्विसेज की तैयारी की और 1989 में ध्इए ऑफिसर बने.

तीन प्रधानमंत्रियों के साथ किया काम : विदेश सचिव विक्रम मिसरी कई अलग अलग पदों पर रहे.उन्होंने देश के तीन प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है.विक्रम मिसरी उस समय भी चर्चा में आए थे, जब 1997 में वह प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के प्राइवेट सेक्रेटरी बने थे. 2012 में वह प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के प्राइवेट सेक्रेटरी बने.2014 में भारतीय एम्बेसडर टू स्पेन रहे. 2016 में भारतीय एम्बेसडर टू म्यांमार नियुक्त किए गए. 2019 में भारतीय एम्बेसडर टू चाइना नियुक्त किए गए. इसके बाद उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्राइवेट सेक्रेटरी भी बनाया गया. 28 जून 2024 को उन्हें भारत के विदेश सचिव नियुक्त किया गया. अब वह ऑपरेशन सिंदूर के सुबूत देने को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं.

कॉम्बैट यूनिफार्म में नजर आई कर्नल सोफिया कुरैशी-विंग कमांडर व्योमिका सिंह, यह सिर्फ ड्रेस कोड नहीं...

राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्ली।। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह गुरुवार को जब प्रेस कांफ्रेंस करने आईं तो कॉम्बैट यूनिफार्म में नजर आईं. दोनों का कॉम्बैट यूनिफॉर्म में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आना महज एक ड्रेस कोड नहीं, युद्ध का संदेश है. आर्मी की भाषा में इस ड्रेस के मायने बहुत खास हैं. क्योंकि कॉम्बैट यूनिफॉर्म वह ड्रेस होता है जो सेना या एयरफोर्स के अफसर किसी ऑपरेशन, वॉर एक्सरसाइज या फिर जंग के दौरान पहनते हैं. इसमें वे हमेशा तैयार रहते हैं.

कॉम्बैट यूनिफार्म में कैमोफ्लाज होता है. यानी इसमें रैंक, यूनिट और बैज पूरी तरह डिस्प्ले होते हैं. यह ड्यूटी मोड या ऑपरेशनल अलर्ट की स्थिति को दर्शाता है. डिफेंस एक्सपर्ट के मुताबिक, अफसरों का इस यूनिफॉर्म में प्रेस के सामने आना तीन तरह का संदेश है. पहला, वे ऑपरेशनल मोड में हैं, यानी स्थिति युद्ध की जैसी गंभीर है. ये साफ मैसेज है कि इंडियर आर्मी और एयरफोर्स पूरी तरह एकिटव और मोर्चे पर है. दूसरा, यह दुनिया को मैसेज है कि भारत अब सिर्फ बयान नहीं दे रहा, एक्शन की स्थिति में है. इसके जरिए आर्मी पाकिस्तान और उसके आतंकी दोस्तों को मैसेज दे रही कि अगर उकसाया तो भारत पीछे नहीं हटेगा.

पहले कब ऐसा हुआ : ऐसा आमतौर पर बहुत कम देखने को मिलता है. 2016 में उरी अटैक के बाद सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में बताए आए आर्मी अफसर यूनिफॉर्म में मौजूद थे. ठीक इसी तरह 2019 में बालाकोट स्ट्राइक के बाद वायुसेना के अधिकारियों ने ऑपरेशनल ब्रीफिंग दी थी, जिनमें कुछ कॉम्बैट ड्रेस में थे. लेकिन सीनियर महिला अधिकारियों का इस तरह कॉम्बैट यूनिफॉर्म में प्रेस के सामने आना एक दुर्लभ और ऐतिहासिक मामला है.

डिफेंस एक्सपर्ट से जानिए मतलब : सर्जिकल स्ट्राइक के ऑपरेशन कमांडर रहे ले. जनरल (रि.) डी. एस. हुड्डा ने कहा, यह सिर्फ एक यूनिफॉर्म नहीं, बल्कि देश को यह दिखाने का तरीका है कि महिलाएं भी अब स्ट्रेटजिक लीडरशिप में हैं और 'लड़ाई के मोर्चे' पर तैयार हैं. डिफेंस एक्सपर्ट डॉ. भावना आर्य ने कहा, कॉम्बैट यूनिफॉर्म में प्रेस में आना बताता है कि भारत अब डिप्लोमेसी के साथ-साथ डिटरेंस की भाषा भी बोल रहा है.

जज यशवंत वर्मा पर बड़ा एक्शन? CJI ने जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति तक पहुंचाई

नई दिल्ली।। सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से नकदी बरामदगी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट पूरी कर ली है. भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने यह रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी है. रिपोर्ट के साथ न्यायमूर्ति वर्मा का जवाब भी शामिल किया गया है. सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, 'मुख्य न्यायाधीश ने इन-हाउस प्रक्रिया के तहत 3 सदस्यीय समिति की 3 मई 2025 की रिपोर्ट और जस्टिस यशवंत वर्मा द्वारा भेजे गए 6 मई के पत्र को महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजा है.'

क्या है मामला : 14 मार्च की शाम जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित घर में आग लग गई थी. जब दमकलकर्मी आग बुझाने पहुंचे तो कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई. इस दौरान न्यायमूर्ति वर्मा और उनकी पत्नी दिल्ली में नहीं थे. वे मध्य प्रदेश की यात्रा पर थे. घर में केवल उनकी बेटी और वृद्ध मां मौजूद थीं. समिति ने 25 मार्च से जांच शुरू की और 4 मई को अपनी रिपोर्ट सौंप दी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक समिति ने जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया है. सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट के आधार पर ण्व्ह ने जस्टिस वर्मा से इस्तीफा देने या फिर महाभियोग का सामना करने को कहा था. हालांकि इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

मामले पर मचा था पूरा बवाल : आरोप लगने के बाद जज वर्मा को उनके मूल हाईकोर्ट यानी इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया. लेकिन फिलहाल उनकी न्यायिक जिम्मेदारियां रोक दी गई हैं. इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने उनके वापस आने का विरोध करते हुए हड़ताल भी की थी. जब ये मामला सुर्खियों में आया तो कुछ लोगों ने ईंध दर्ज करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई.

लेकिन कोर्ट ने कहा कि जब तक इन-हाउस जांच चल रही है तब तक न्यायिक दखल मुनासिब नहीं है. सूत्रों के मुताबिक जज वर्मा ने खुद को कानूनी तौर पर तैयार रखने के लिए वरिष्ठ वकीलों की टीम से सलाह ली है. इस टीम में सिद्धार्थ अग्रवाल, अरुंधति कटजू, तारा नरूला, स्तुति गुर्जर समेत कई वकील शामिल हैं.

न्यूज फटाफट

दिल्ली आने-जाने वाली 100 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली।। भारत-पाकिस्तान में तनाव की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने और आने वाले लगभग 100 विमानों की यात्रा रद्द रही। इनमें न केवल घरेलू, बल्कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। इसे लेकर विमान कंपनियों की तरफ से समय रहते यात्रियों को जानकारी भेज दी गई थी। एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि अगले दो दिन तक दिल्ली एयरपोर्ट से लेह, जोधपुर, श्रीनगर, चंडीगढ़, अमृतसर और जम्मू जाने वाले विमानों की उड़ान रद्द रह सकती है।

पाकिस्तान के विरोध में व्यापारियों का मार्च

नई दिल्ली।। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (पंजी) के बैनर तले सैकड़ों व्यापारियों ने गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ तिरंगा मार्च निकाला। इस दौरान व्यापारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान को आतंकी मुल्क घोषित करने की मांग की है। कुतुब रोड चौक से 12 टूटी तक निकाले गए मार्च का नेतृत्व फेडरेशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा और अध्यक्ष राकेश यादव ने किया।

युवक ने फांसी लगा कर दी जान

नई दिल्ली।। सब्जी मंडी इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक अवधेश है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें उसने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक जताया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस को घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

आज का सुविचार

सबसे शानदार विजय है, अपनी कर्मेन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना।

सम्पादकीय

सत्य की राह

राकेश कुमार

‘किसी भी प्रकार की इच्छाओं की अति बुरी बला है क्योंकि, 'पूरी ना होने पर क्रोध में लाती है' और 'पूरी होने पर लोभी बना देती है'... इसीलिए, इन दोनों बातों के दुष्प्रभाव से बचने के लिए, किसी भी बात की अति से बचना बहुत महत्वपूर्ण और ज़रूरी है’।

कुछ लोग, आपके अच्छा होने के बावजूद भी आपको बुरा मान सकते हैं, ऐसी स्थिति में, आपको ऐसे लोगों से सावधान और दूर रहने की ज़रूरत है लेकिन, नाराज़ होने की नहीं, क्योंकि...

कहते हैं कि ऐसे लोगों से दूर रहकर, आप अपना कीमती वक्त और भावनाएं बरबाद होने से बचा सकते हो।

ध्यान रहे कि जो लोग आपको अंदर से तोड़ना चाहते हैं, वो अनेक बार आपकी आन्तरिक शांति से भी बुरी तरह बौखला उठते हैं। **‘जिसको आप अपनी हर बात समझाना चाहते हो व जिसको आप बेहद प्यार करते हो, उस शख्स के साथ बैठना और अच्छा समय देना बहुत ज़रूरी है ना! तो आज से ही ‘अपने साथ बैठिए’, ‘खुद से बात करिए’ और 'मौन' से 'दोस्ती' करिए’॥**

जो आपके हाथ में या पहुंच में है, उसे किसी दूसरे से मांग कर अपना आत्म सम्मान ना खोएं; बात चाहे धन की हो, प्यार की हो, या इज्ज़त की हो। ये सब खुद की मेहनत से कमाना अति सरल और संभव है। कहते हैं कि अच्छी भूमिका, अच्छे लक्ष्य और अच्छे विचारों वाले लोगों को हमेशा याद किया जाता है.. जीवनभर, मन से या शब्दों द्वारा प्रार्थना में भी !

जब तक अटैचमेंट है तब तक सुखी रह नहीं सकते

मुरली में ऐसा जादू भरा हुआ है, जो जादूगर की जादूगरी देख अजब लगता है। जादूगर क्या से क्या करते हैं, हम देखते ही रह जाते हैं। तो बाबा भी बहुत मशहूर जादूगर है। भक्ति में समझते थे कृष्ण जादूगर है, पर अनुभव कहता है शिवबाबा जादूगर है। जवानों को बूढ़ा बना देता है, बूढ़ों को जवान बना देता है, यह कमाल है बाबा की। साहूकारों को गरीब बना देता है, साहूकार सेवा में लगाने में बिचारे गरीब हैं, सोचते रहते हैं और गरीब को बाबा साहूकार बना देता है वो पूछता रहता है बाबा आपकी सेवा में मैं क्या करूँ! उसका यज्ञ सेवा के लिए प्यार बहुत, वो गरीब नहीं है। बाबा के लिए वो शाहों का शाह, तीनों लोकों का मालिक है। बाबा कहता है मैं भी तीनों लोकों का मालिक नहीं हूँ, मेरे बच्चे तीनों लोकों के मालिक हैं। चाहे यहाँ रहें, चाहे सूक्ष्म वतन में रहें। बाबा ने इतना हल्का बना दिया है। बालक सो मालिक बनके रहने में मजा है। जो इनोसेन्ट बालक होते हैं उनसे खुशबू बहुत आती है। फूल की तरह खुशबूदार, ऐसे बालक जिसमें कोई भी विकार का अंशमात्र न हो। जैसे विकार का पता ही नहीं है, वो बड़े प्यारे लगते हैं। कोई हैं जो किसी भी जाति देश, धर्म, भाषा के हों लेकिन फूल प्यारा न लगता हो? फलों में है आम और फूलों में है गुलाब। बाबा फल भी प्रत्यक्ष फल देता है। जितना हम प्युअर बनते हैं उतना फूल मुआफिक बनते हैं, जितना खुश रहते हैं उतना फल बन जाते हैं। तो बाबा कैसा जादूगर है जो कांटे को फूल बना देता है।

बाबा कहते खुशी जैसी खुराक नहीं, चिन्ता जैसा मर्ज नहीं। एक-एक बोल लाखों की वैल्यू का है। माला भी हाथ में फेरने के लिए उठानी पड़ेगी। हमें तो केवल बाबा के बोल याद करने हैं बस, खुशी आ गयी। कौन-सा बोल? बच्चे रिमेम्बर मी, जी बाबा। बच्चे 63 जन्म विकर्म किये हैं, अब मुझे याद करो तो विनाश हो जायेंगे, जी बाबा। सबमें जी बाबा करना है। जो डिटैच होना नहीं जानता है वो लविंग कैसे होगा? जब तक अटैचमेन्ट है तब तक सुखी नहीं रह सकता है। लोहे की जंजीरें टूटी, सोने की जंजीरे अच्छी लगती हैं। बाबा का कन्याओं से कितना प्यार है, कन्याओं को बाबा का नाम बाला करना है। अच्छी स्टडी करनी है, अच्छा गुणवान बनना है। जो बाबा को अच्छा लगता है, वो करना है। जहाँ बाबा बिठाता है, वहाँ बैठना है। उसमें आजकल परीक्षा और कोई नहीं है। कोई आवाज़ से बात करता है तो दूसरा ढ़ीला पड़ जाता है। अरे कुछ नहीं है, ड्रामा बड़ा मीठा है, सीख रहे हैं। किसकी नेचर को न याद करो, न याद कराओ, यह भी पाप के खाते में जायेगा। कर्म में नेचर को याद किया, हमारी भी नेचर ऐसी नाज़ुक बन गयी, तो विकर्म तो विनाश हुआ नहीं। भले समझता है मैं बुरा कर्म तो करता नहीं हूँ, पर नाज़ुक नेचर वाले में सहनशक्ति है नहीं तो श्रेष्ठ कर्म कर नहीं सकता। हमारी पढ़ाई है- पढ़ते जाओ, प्रैक्टिस करते जाओ, पास होते जाओ।

रोज मुरली से मन को होमवर्क दे करके व्यर्थ को समर्थ में चेंज करें..

यह आर्टिकल आध्यात्मिक जीवन और सेवा के महत्व पर प्रकाश डालता है। इसमें बताया गया है कि जब हम दूसरों की सेवा और शांति के लिए कार्य करते हैं, तो हमारा मन माया से दूर रहता है और हम आंतरिक शक्ति प्राप्त करते हैं। बाबा के अनुसार, मन को सेवा में लगाए रखने से माया का प्रवेश नहीं होता और हमारे आस-पास शांति का वातावरण बनता है।

हमारा बाबा हम बच्चों को अभी दुःखी देख नहीं सकता है, हम लोग तो सुखी हो गए लेकिन दूसरे भी हमारे भाई-बहन जो दुःखी, अशांत हैं, चिंता व भय में हैं, कल क्या होगा इसी सोच में रहते हैं, उन्हों को शान्ति का सहयोग दे करके उनको भी सुख-शान्ति का अनुभव कराना है। अब खुद शक्तिशाली बन मन्सा द्वारा औरों को भी शक्ति देना है, यह हमारा मूल कार्य है, इसी कार्य को करने में बिज़ी रहने से आप बहुत सहज मायाजीत बन सकते हैं क्योंकि माया पहले मन में संकल्प रूप में आती है फिर आगे बढ़ती है। तो अगर आपका मन ही सेवा में बिज़ी रहा तो माया के आने का रास्ता ही नहीं रहेगा इसलिए बाबा कहते मन्सा सेवा में रहने से एक तो हमारा मन बिज़ी रहता है। अन्तर्मुखी हो रहना माना अन्दर में रहना, बॉडी कॉन्शियस से परे रहना, जिससे माया नहीं आयेगी। दूसरा आस-पास में आपके शान्ति का वायुमण्डल का प्रभाव पड़ता है। तीसरा जो भी फाइनल होना है वो अचानक होना है तो हर घड़ी मेरे लिए अटेन्शन देने की है। अचानक होना है तो एवररेडी रहना होगा क्योंकि अन्त मति सो गति होनी है। तो अचानक, एवररेडी और बहुतकाल का अभ्यास चाहिए। हर सेकण्ड अटेन्शन दे करके टेन्शन में नहीं जायें तो उनका बहुतकाल इकठ्ठा हो सकता है। अगर अलबेले होंगे तो वो टाइम कट हो जाता है। इस समय हम सबको बाबा का वरदान है कोई ऐसे नहीं कहे कि हमको तो चांस है ही नहीं या हम तो अभी आये हैंष्ठ। इसमें जो ओटे सो अर्जुन, कोई भी मौका ले सकते हैं और जितना चाहो उतना पुरुषार्थ करके आगे बढ़ सकते हैं। फिर बाबा कहते यह निश्चय रखो कल्प पहले भी मैं ही तो थी, इस कल्प में भी मैं ही हूँ और दूसरे कल्प में भी होंगी। मैं थी, मैं हूँ और मैं होंगी इतना निश्चय और नशा रखना चाहिए। जहाँ निश्चय है वहाँ विजय अवश्य होती है। निश्चय की तो हमेशा विजय होती ही है, निश्चयबुद्धि विजयंति। तो हम सबको यह लक्ष्य रखना है कि मेरा बहुतकाल अभी है लेकिन अभी जो आये हैं तो पल-पल परमात्मा के प्यार में खोया हुआ हो। जहाँ प्यार होता है वो भूलना मुश्किल है, याद करना मुश्किल नहीं होता है। इन बहनों की बहुत अच्छी लाइफ है, बहुत आनंदमय रहते हैं, ऐसे बहनों द्वारा बाप के प्यार की आकर्षण में ही तो यहाँ आये हैं। तो परमात्म प्यार ऐसी चीज़ है जो आप परमात्मा को पसंद आ गये तब तो इन बहनों द्वारा अपना बना लिया। बाबा को हम पसंद आये और हमको बाबा पसंद आये। पसंद आ गया, प्यार हो गया फिर तो भूलने की बात ही नहीं। और कोई भी बात आवे जो आप नहीं समझ सकते हो, क्या करूँ, कैसे करूँ की स्थिति आवेष्ठ तो सच्ची दिल से क्रमेरा बाबाञ्ज कहो तो बाबा हाजिर होके आपको ऐसी प्रेरणा देगा जो बिल्कुल ही सहज जैसे हुआ ही पड़ा है। असम्भव भी सम्भव हो जायेगा क्योंकि परमात्मा का हाथ हमारे सिर पर है। हमारी दिल सच्ची और साफ है तो बाबा हमारा है, हम बाबा के हैं और है ही क्या? सच्ची और साफ दिल वाले को कब, क्या करना है, कैसे करना है वो टच करता है।

समर्थ संकल्प है मुरली, वरदान, स्लोगन इसको कभी भी भूलो नहीं। रोज़ मुरली से मन को होमवर्क दे करके व्यर्थ को समर्थ में चेंज करने का पुरुषार्थ ज़रूर करना। इसके लिए मन का टाइमटेबल बनाना।

इस जहां के नूर -पंजाब का शेर दादी चंद्रमणि...

भागवत प्राप्ति सभी को रास आती है लेकिन उसका रस लेने के लिए ज्ञान और शिक्षा की सम्पूर्ण धारणा अति आवश्यक है। परमात्मा को पूरी तरह से समाने वाली, अपने अन्दर समाकर सहज तरीके से अपने चेहरे और चलन से सभी को वही ड्ड अनुभूति कराने वाली, हमारी अति स्नेही आदि रत्न और इस जहान में चलते-फिरते फरिश्ते की झलक और उसका प्रतिबिम्ब हम सबके ऊपर पड़े वो अनुभव उन्हीं के कमल मुख द्वारा हम आपके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि आप भी परमात्म सुख को एक फिल्म की भांति अनुभव करते जाएं और कहें कि सच में यही जहान के नूर हैं...

बाबा का मात-पिता के सम्बन्ध में, कम्बइंड स्वरूप में साक्षात्कार हुआ। ऐसे देखा जैसे कापूस होती उसका धरती से आकाश तक लाइट का आकार, मात-पिता का कम्बाइंड स्वरूप बहुत प्यारा लगा। उसमें बहुत आकर्षण था। लगातार तीन दिन तक साक्षात्कार होता रहा। बाबा के साथ-साथ कभी श्रीकृष्ण और कभी श्रीविष्णु का साक्षात्कार होता रहा।

दादी कहती है आप सबने तो भागवत सुना होगा, तो गीता भी पढ़ी होगी। अगर अन्तर नहीं पता तो भागवत में भगवान की लीला और चरित्र का गायन होता है और गीता में ज्ञान और शिक्षा मिलती है। तो हमें परमात्मा ने भागवत भी सुनाई और साथ में गीता भी पढ़ाई। माना भगवान की लीला सुनने का और भागवत के साथ ज्ञान दोनों अगर इकट्ठे हों तो आपको अपने भाग्य का पता चलेगा, क्योंकि लीला सुनने में बहुत मज़ा आता लेकिन गीता का ज्ञान अकेले आपको सुकून नहीं देगा। हमारे लौकिक परिवार में सात बहनें और एक भाई हैं। बाबा हमेशा हमको कहते थे भक्ति का फल तो ज्ञान मिलता है और हमारे लौकिक परिवार में भक्ति जबरदस्त थी। हम पूजा-पाठ करने के बाद ही भोजन करते थे। आप सबको एक बात सुनाते हैं कि हमने जो भागवत और गीता पढ़ी आज भी हम उसका प्रैक्टिकल अनुभव करते हैं। और एक नशे की बात सुनाते हैं, कईयों ने अपने मात-पिता को छोड़ दिया और कईयों को मात-पिता ने छोड़ दिया लेकिन हमारे मात-पिता, हमारा सारा परिवार, मात-पिता सहित सब समर्पित हो गए। साथ में जो परिवार के सदस्य कोई बच गया वो सब आज भी अच्छे सम्बन्ध सम्पर्क में हैं।

मैं सात बहनों में छठवें नम्बर की थी। जब ज्ञान में आई तो तेरह वर्ष की थी और नौवीं क्लास में पढ़ती थी, आठ वर्ष से भक्ति करती थी। इसका एक कारण था कि एक ज्योतिष ने कह दिया कि ये रहेगी नहीं, माना कि शरीर छोड़ देगी इसलिए यज्ञ-तप करो। इसके कारण मैं परमात्मा से मात-पिता के सम्बन्ध से बातें करती थी और बड़ा प्यारा लगता था।

कहती थी मैं तेरी योगिन बनूंगी, और योगिन बनने की चाहना भी बहुत थी। फिर हमारे घर में एक घटना घटी। जिसमें मेरा एक भाई जिसकी शादी होनी थी उसने पहले ही शरीर छोड़ दिया, जिसके कारण माँ को बहुत दुःख हुआ, उसी समय मेरी लौकिक बहन के पति ने भी शरीर छोड़ दिया। और उसी रात्रि बाबा का मात-पिता के सम्बन्ध में, कम्बाइंड स्वरूप में साक्षात्कार हुआ, ऐसे देखा जैसे कापूस होती है उसका धरती से आकाश तक लाइट का आकार, मात-पिता का कम्बाइंड स्वरूप बहुत प्यारा लगा, जिसमें बहुत आकर्षण था।

लगातार तीन दिन तक साक्षात्कार होता रहा। बाबा के साथ कभी श्रीकृष्ण और कभी श्रीविष्णु का साक्षात्कार होता रहा।

कोई मेज के नीचे तो कोई दरवाजे के पीछे छिपा दिल्ली में सायरन बजते ही मची चीख-पुकार

राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्ली।। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के हालात पैदा हो गए हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने पूरे देश में सात मई को किसी भी खतरे से निपटने की तैयारियों के तहत मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया था। इसी आदेश के तहत बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के शहरों में मॉक ड्रिल कराई गई। इस दौरान पूर्वी दिल्ली की गीता कॉलोनी में सायरन बजते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। इस दौरान पूर्व नियोजित तैयारियों के तहत लोगों को स्ट्रेचर से एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। हालांकि यह कोई हमला नहीं, बल्कि मॉक ड्रिल का हिस्सा था। इसके लिए अधिकारियों ने लोगों को पहले ही गाइड कर दिया था। दूसरी ओर गाजियाबाद के दस स्कूलों में मॉक ड्रिल कराई गई। जहां सायरन बजते ही बच्चे भागकर मेज के नीचे छिप गए।

गाजियाबाद में स्कूली बच्चों ने मॉक ड्रिल में लिया हिस्सा : किसी भी आपातकालीन स्थिति में या हवाई हमला होने पर सुरक्षित रहने के लिए गाजियाबाद के विभिन्न स्कूलों में बुधवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिले के दस प्रमुख स्कूलों में यह अभ्यास एक साथ किया गया। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों और आपदा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। नवयुग मार्केट स्थित एक स्कूल में स्वयं जिलाधिकारी दीपक मीणा उपस्थित रहे। जहां उन्होंने मॉक ड्रिल की प्रक्रिया का जायजा लिया और छात्रों के साथ बातचीत की।

मॉक ड्रिल के दौरान जैसे ही सायरन बजा। कक्षा में उपस्थित छात्र तुरंत आपातकालीन निर्देशों का पालन करते हुए मेज के नीचे छिप गए। इसके साथ ही दूसरा सायरन बजने पर सभी बच्चे बाहर आ गए। इस दौरान मौके पर मौजूद गाजियाबाद सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने छात्रों को हवाई हमले की स्थिति में बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में शीशे वाली खिड़कियों के सामने खड़ा न हों, और गैस तथा बिजली के उपकरणों को तत्काल बंद कर देना चाहिए। यदि व्यक्ति घर से बाहर हो, तो खुले स्थान पर लेटकर अपने सिर को हाथों से ढक लें।

गाजियाबाद के दस स्कूलों में कराई गई मॉक ड्रिल : गाजियाबाद के डीएम दीपक मीणा ने बताया कि जिले के दस स्कूलों में तीस हजार बच्चों ने मॉक ड्रिल में हिस्सा लिया। इस दौरान आपदा प्रबंधन की टीम ने उन्हें बताया कि ब्लैकआउट की स्थिति में घर की बाहरी लाइटें बंद रखना आवश्यक है। ताकि रोशनी बाहर न जाए। जरूरी हो तो पर्दों के माध्यम से प्रकाश को नियंत्रित करें। उन्होंने यह भी सलाह दी कि लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें और इनवर्टर या जनरेटर बंद रखें। उन्होंने बताया कि दस स्कूलों के लगभग तीस हजार छात्रों को इस अभियान में शामिल किया गया है।

गाजियाबाद डीएम ने मॉक ड्रिल को बताया सफल : जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मॉक ड्रिल के सफल आयोजन की सराहना की और कहा कि यह गतिविधि छात्रों के लिए न सिर्फ शिक्षाप्रद है बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। उन्होंने अधिकारियों से फीडबैक लिया और बताया कि जिला प्रशासन इन मॉक ड्रिल्स के आधार पर यह मूल्यांकन करेगा कि क्या कुछ कमियां रह गईं जिन्हें भविष्य में बेहतर किया जा सकता है।

दिल्ली के 40 बाजार और 660 स्कूलों में हो रही मॉक ड्रिल

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े तनाव को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। इस दौरान दिल्ली के 40 बाजार और 660 स्कूलों में मॉक ड्रिल कराई गई। इसमें 110 सरकारी जबकि 550 निजी स्कूल शामिल हैं। बुधवार शाम चार बजे जैसे ही सायरन बजा।

स्कूली बच्चों ने आपदा प्रबंधन के नियमों के तहत प्रतिक्रिया देकर मॉक ड्रिल में हिस्सा लिया। इसके साथ बाजारों मे आग लगने पर बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। इस बीच शाम चार बजते ही दिल्ली के सिविक सेंटर में आग लगने की मॉक ड्रिल हुई, लेकिन 20 मिनट तक वहां पीसीआर और एंबुलैंस नहीं पहुंच सकी। दिल्ली के अधिकारियों का कहना है कि मॉक ड्रिल में जो कमियां निकलकर सामने आई हैं। उन्हें दुरुस्त करने के उपाय किए जाएंगे।

कोई राशन तो कोई फर्नीचर लेकर भागा...दिल्ली में आठ घंटे गरजे छह बुलडोजर, बिजली-पानी कनेक्शन कटे

राकेश कुमार, संवाददाता

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तैमूर नगर में सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से एक बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यह अभियान दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर चलाया गया। अधिकारियों का कहना है कि नाले के किनारे अतिक्रमण होने से हर साल मानसून के दौरान यहां जलभराव की समस्या होती है। इसके साथ ही यहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों के अवैध कब्जा करने की आशंका भी है। कार्रवाई के दौरान मौके पर दिल्ली नगर निगम, दिल्ली पुलिस और रैपिड एक?शन फोर्स के जवान मौजूद रहे। कार्रवाई का उद्देश्य नाले के किनारे हो रहे अतिक्रमण को हटाना और मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निजात पाना था। इस दौरान नाले से नौ मीटर की दूरी तक बनी कई अवैध इमारतों और ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया।

दरअसल, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल को डीडीए को 5 मई को तैमूर नगर नाले के पास अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इस नाले के आसपास तैमूर नगर, श्रीनिवासपुरी, गढ़ी, कालिंदी, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और फ्रेंड्स कॉलोनी वेस्ट जैसे क्षेत्र आते हैं, जहां तीन लाख से अधिक लोग निवास करते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने मानसून के यह आदेश जारी किया था। कार्रवाई के दौरान लोग राशन और फर्नीचर की शिफ्टिंग में जुटे रहे।

इसके तहत सोमवार सुबह सात बजे से ही दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (ंइ) के जवान तैनात कर दिए गए थे। करीब 8:30 बजे डीडीए के अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद कार्रवाई शुरू हुई, जो शाम 4:30 बजे तक जारी रही। इस दौरान नाले से सटे नौ मीटर इलाके में बने सौ से अधिक अवैध मकानों और डेयरियों को ध्वस्त कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मुख्य सड़क के दोनों छोर पर बैरिकेडिंग कर दी गई थी और जिन इमारतों को तोड़ा गया, उनके बिजली-पानी के कनेक्शन भी काट दिए गए।

स्थानीयों लोगों ने दी हाईकोर्ट जाने की चेतावनी : कार्रवाई को आक्रोश है। कपासिया मोहल्ला के निवासी सुरेंद्र सिंह ने दावा किया कि यह जमीन उनके पूर्वजों की है और वे करीब दो सौ सालों से यहां रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि साल 2007 में राज्य सरकार ने इस जमीन को अधिकृत क्षेत्र घोषित किया था और यह विस्तारित लाल डोरा श्रेणी में आता है। सुरेंद्र ने आरोप लगाया कि महारानी बाग में नाले की चौड़ाई केवल नौ मीटर रखी गई। जबकि तैमूर नगर में 27 मीटर तक चौड़ाई बढ़ाई गई है। जो अन्यायपूर्ण और भेदभावपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वे इस कार्रवाई के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

45 सालों से रह रहे परिवारों पर भी छत का संकट : तैमूर नगर में रहने वाले अजय कामत ने बताया कि जहां कार्रवाई की गई। वहां करीब 45 सालों से परिवार रह रहे थे। कई मकानों में किरायेदार भी रह रहे थे। उनका कहना है कि इस अभियान के चलते दो हजार से अधिक लोग एक झटके में बेघर हो गए हैं। जिनके पास अब रहने का कोई स्थान नहीं है। वहीं लोगों का आरोप है कि नाले के पास लंबे समय से अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों ने नाले के बेहद नजदीक पक्के मकान खड़े कर लिए थे, लेकिन कई बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने उनपर कोई कार्रवाई नहीं की।

जलभराव बनी बड़ी समस्या, मानसून से पहले सफाई ज़रूरी : इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि तैमूर नाले पर अतिक्रमण के चलते कार्रवाई की गई है। सीएम रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली के सभी नालों की सफाई के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इसके साथ ही दिल्ली में अवैध कब्जे पर निगरानी की जा रही है। वहीं फ्रेंड्स कॉलोनी की आरडब्ल्यूए के सदस्यों ने बताया कि बारिश के समय नाले का पानी कुछ ही घंटों में घरों में भर जाता है। कॉलोनी ग्रेड-ए क्षेत्र में आती है। फिर भी हर मानसून में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने कहा कि डीडीए, जल बोर्ड और नगर निगम को मिलकर तैमूर नगर नाले की समुचित सफाई करनी चाहिए।

हनुमान मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। सोनिया विहार थाना पुलिस टीम ने हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले एक आरोपी गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी हरी ओम है। पुलिस ने इसके पास से मंदिर से चोरी की गई गदा बरामद कर ली है।

हनुमान मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार : उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय प्रकाश भट्ट की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद स्थानीय स्त्रोतों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान की और महज 24 घंटे के भीतर आरोपी हरी ओम पहला पुस्ता, सोनिया विहार से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और हनुमान से चोरी किया गया गदा भी उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

चोरी की बाइक पर स्नेचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

[redacted] [redacted]

एजेंसी

नई दिल्ली।। सदर बाजार थाना पुलिस टीम ने पिकेट के दौरान दो वाहन चोर-सह-स्नैचर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में राहुल और जीतू है। पुलिस ने इनके पास से पुल प्रहलादपुर, इलाके से चोरी हुई एक बाइक बरामद की है।

उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉंठिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सहदेव सिंह तोमर की देखरेख में गठित टीम 5 मई को सदर बाजार सिंघारा चौक पिकेट पर तैनात थी। टीम ने देखा कि बिना हेलमेट के बाइक पर सवार दो व्यक्ति नबी करीम की तरफ से आ रहे थे। उन्हें चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने यू-टर्न ले लिया और वहां से भागने की कोशिश की। थोड़ी देर पीछा करने के बाद दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान, आरोपी राहुल और जीतू ने खुलासा किया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपराध करते थे।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

ज्योति, संवाददाता

नई दिल्ली।। वेलकम थाना पुलिस टीम ने गश्त के दौरान अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मुशीर है। पुलिस ने इसके पास से 1 देशी पिस्तौल और 2 कारतूस बरामद किये। डीसीपी हरेश्वेर वी.स्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी रुपेश कुमार खत्री की देखरेख में गठित टीम 2 मई को गश्त पर थी इसी बीच चेकिंग में एक अवैध हथियार धारक अपराधी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 1 देशी पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए। वही दूसरी एक अन्य मामले में देर रात टीम कर्दमपुरी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम ने थोड़ी दूरी पर शोर-शराबा होते देख तुरंत कार्रवाई की। मौके पर पहुंचने पर एक बाइक सवार झपटमार को जनता द्वारा पकड़ा गया था। शुरूआती पूछताछ पर शिकायतकर्ता मिहनास अहमद ने बताया कि वह टैक्सी चालक है और खाना खाने के लिए ढाबा ढूँढ रहा था तभी उक्त व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया और मोटरसाइकिल से भागने लगा। शिकायतकर्ता द्वारा चोर-चोर चिल्लाने पर स्थानीय लोग और पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया। आरोपी की पहचान शेजी के रूप में हुई है।

गाजियाबाद में धड़ाधड़ हो रहे एनकाउंटर, 24 घंटे में 6 बदमाशों को पुलिस ने गोली मार दबोचा

गाजियाबादः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर चेकिंग के दौरान बदमाशों के साथ मुठभेड़ की। कुछ ही घंटों के भीतर हुई इन मुठभेड़ों में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। नंदग्राम थाना क्षेत्र में 2 बदमाश पकड़े गए, जबकि क्रॉसिंग रिपब्लिक में 4 बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस लगातार गाजियाबाद में अपराध को रोकने के लिए चेकिंग कर रही है। गाजियाबाद में अपराध बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए पुलिस समय-समय पर चेकिंग अभियान चलाती है। नंदग्राम में पुलिस रोजाना की तरह चेकिंग कर रही थी। तभी उन्हें मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखे. पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया। पुलिस को पीछा करता देख बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग की। इस फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी। पुलिस ने दोनों शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बदमाशों के पैर में लगी गोली : क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की पुलिस को सूचना मिली 45,000 रुपये की चोरी के मामले में वांछित चार बदमाश दो मोटरसाइकिल और एक ऑटो में सवार होकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर चारों बदमाश मोटरसाइकिल पर भागने लगे। पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल हो गए। पुलिस ने चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि ये चारों बहुत शातिर बदमाश हैं। पुलिस के अनुसार, नंदग्राम में चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पुलिस का पीछा करने पर उन्होंने फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की और एक बदमाश घायल हो गया। क्रॉसिंग रिपब्लिक में पुलिस को सूचना मिली थी कि 45,000 रुपये की चोरी के मामले में वांछित चार बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में दो बदमाश घायल हो गए।

पुलिस की सतर्कता से सकुशल मिला लापता बच्चा, ग्रामीणों ने की सराहना

बागपत। खेकड़ा थाना क्षेत्र के रटौल कस्बे में सोमवार को एक 3 वर्षीय मासूम के लापता होने से हड़कंप मच गया। परिजनों की सूचना पर रटौल चौकी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को सकुशल खोज निकाला और परिवार को सौंप दिया। लापता बच्चा अबुजर पुत्र इसरार निवासी कस्बा रटौल है, जिसकी उम्र लगभग 3 वर्ष है। जैसे ही परिजनों ने बच्चे की गुमशुदगी की सूचना दी, रटौल चौकी प्रभारी संजय सिंह पुनिया ने मामले की गंभीरता को समझते हुए हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र कुमार व कांस्टेबल शौकेंद्र नागर के साथ मिलकर खोजबीन शुरू की। पुलिस टीम की सूझबूझ और मेहनत के चलते मासूम को सुरक्षित वापस लाना संभव हुआ।

बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली, वहीं ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की जमकर सराहना की। इस कार्य से रटौल पुलिस की छवि और मजबूत हुई है।

बेकरी मालिक पर दबंगों का हमला:गाजियाबाद में उधार सामान न देने पर 25 लोगों ने की मारपीट

थाना।। थाना लोनी बार्डर के बेहटा हाजीपुर में बेकरी संचालक और उसके परिजनों से मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने सोमवार दोपहर मौलाना आजाद कालोनी के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने साथियों के साथ मिलकर शनिवार को जबरन पैसे न देने पर बेकरी संचालक व उसके परिवार के लोगों की पिटाई की थी। पुलिस आरोपियों के फरार साथियों की तलाश में जुटी है। बेहटा हाजीपुर निवासी गुलाम अब्बास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उस्मान मलिक उर्फ कलवा आए दिन सरस्वती स्कूल के सामने स्थित उनकी बेकरी से जबरन पैसे ले जाता था। शनिवार को छोटा भाई बेकरी पर बैठा था तो उसने आरोपी को पैसे देने से मना कर दिया था। जिस पर आरोपी ने अपने साथियों को बुलाकर उनकी, दुकान पर बैठे भाई की पिटाई की थी। शोर मचाने पर पहुंचे बच्चों और परिवार की औरतों के साथ भी मारपीट की गई थी। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि मामले में पीड़ित की शिकायत पर पांच नामजद समेत 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस टीम ने सोमवार दोपहर मौलाना आजाद कालोनी के पास से उस्मान मलिक उर्फ कलवा, जावेद, सुहैल को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रटौल-लोनी मार्ग से नगर पंचायत ने उठवाई मिट्टी

रटौल। कस्बे में रटौल-लोनी मार्ग पर नाला निर्माण के कारण मिट्टी का ढेर लगे होने के कारण दुकानदार व लोग परेशान हो रहे थे। सोमवार को नगर पंचायत के कर्मचारियों व ठेकेदार ने मिट्टी को उठा दिया। सोमवार को मार्ग पर मिट्टी पड़ी होने के कारण लोगों की परेशानी को देखते हुए इस समस्या को उठाया था। इसको लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत की टीम व ठेकेदार सोमवार को मौके पर पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों व लोगों की समस्या सुनने के बाद मार्ग से मिट्टी को हटवा दिया, क्योंकि मिट्टी के कारण धूल उड़ने से दुकानदारों व लोगों को परेशानी हो रही थी।

मिट्टी के हटने के बाद दुकानदारों व लोगों ने राहत की सांस ली। कस्बे के निजामू, सुनील, मनोज, सलीम, राजेंद्र ने चेयरमैन से ठेकेदार द्वारा बरती जा रही अनियमितता की भी जांच कराने की मांग की है, ताकि नाला निर्माण कार्य मानक के अनुसार हो सके।

लोनी और मोदीनगर में औद्योगिक सिटी बसाने की योजना

गाजियाबाद। सूई से लेकर हवाई जहाज तक के पार्ट बनाने वाली उद्योग नगरी के रूप में पहचान रखने वाले गाजियाबाद में उद्योगों को जमीन नहीं मिल रही है। नए उद्योगों को जमीन मिल सके इसके लिए अब शहर के सीमावर्ती क्षेत्रों में कृषि योग्य भूमि का भू-उपयोग परिवर्तन कराकर औद्योगिक टाउनशिप बसाने की योजना पर जीडीए ने काम शुरू कर दिया है। लोनी, मोदीनगर और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे बसे गांवों की जमीन पर उद्योगों को स्थापित करने की कवायद तेज हो गई है।

महायोजना 2031 में भी भी औद्योगिक क्षेत्रों के लिए व्यवस्था की गई है। पिछली बोर्ड बैठक में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने जिले के मोदीनगर और डासना मसूरी के 61 गांवों को जीडीए में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। जीडीए के क्षेत्र विस्तार में आए ज्यादातर गांव दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटे हैं। आने वाले सालों में जहां शहरों का विस्तार बढ़ेगा वहीं, उद्योगों के लिए जगह की भी जरूरत होगी।

ऐसे में उद्योगों के लिए औद्योगिक टाउनशिप की योजना पर काम किया जा रहा है। ट्रांपोर्टनगर, औद्योगिक टाउनशिप के लिए डासना, मोदीनगर, लोनी को चिन्हित किया गया। इन इलाकों में कृषि योग्य जमीन के भू-उपयोग की योजना तैयार की जा रही है। लोनी में मंडोला विहार के आसपास, दिल्ली-सहारनपुर ग्रीन कॉरिडोर के आसपास भी औद्योगिक क्षेत्र बनाने की दिशा में जीडीए काम कर रहा है।

जिले में छोटे-बड़े 28 हजार उद्योग : जिले में छोटे -बड़े करीब 28 हजार उद्योग हैं। इसके साथ अलग-अलग क्षेत्रों में 15 औद्योगिक क्षेत्र हैं। दिल्ली से सटे लोनी में तो आवासीय क्षेत्रों में लोगों ने उद्योग लगा रखे हैं। इंडस्ट्री टाउनशिप बनने के बाद इन उद्योगों के साथ ही नए उद्योगों को भी जमीन मिल सकेगी।

3700 निवेशकों ने किया है एक लाख 37 हजार करोड़ का एमओयू साइन : 2023 में गाजियाबाद में उद्योग लगाने की इच्छा रखने वाले 3700 उद्यमियों ने करीब एक लाख 37 हजार करोड़ का निवेश करने का एमओयू साइन किया था। उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान का कहना है कि जमीन नहीं मिलने से अभी तक 3300 निवेशक उद्योग नहीं लगा सके हैं। करीब साढ़े तीन सौ लोगों ने ही उद्योग लगाने का काम शुरू किया है। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने बताया कि शहरी की सीमाओं पर बसे क्षेत्रों में औद्योगिक टाउनशिप योजना को लाने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। लोनी, मोदीनगर, मंडोला, डासना, मसूरी में कृषि योग्य भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन के लिए शासन और प्रशासन से पत्र व्यवहार किया जा रहा है। प्रस्ताव तैयार कर बोर्ड बैठक में ले जाया जाएगा। अगले 15 वर्ष की कार्ययोजना पर काम चल रहा है।

फैक्टरी की चौथी मंजिल पर कमरे में अचेत मिला कर्मचारी

लोनी।। थाना ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित साउंड स्पीकर बनाने वाली फैक्टरी में काम करने वाला कर्मचारी सोमवार सुबह कमरे में अचेत मिला। पुलिस कर्मचारी को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जनपद मुरादाबाद के सरकड़ा गांव निवासी तीस वर्षीय शीशपाल सैनी ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित बी प्लस डी जे साउंड स्पीकर बनाने वाली फैक्टरी में नौकरी करते थे।

फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारी अनुज पाठक ने बताया कि शीशपाल फैक्टरी की चौथी मंजिल पर बने कमरे में रहता था। सोमवार को काम के लिए नीचे न आने पर वह कमरे में पहुंचे तो साथी को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। उन्होंने मामले की जानकारी अन्य साथियों व पुलिस को दी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि कमरे में मृतक के मुंह के पास खून के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी को उप लोक आयुक्त ने भेजा नोटिस

लोनी। नगर पालिका परिषद लोनी के अधिशासी अधिकारी को उप लोक आयुक्त ने नोटिस भेजा है। नोटिस में पिछले पांच वर्षों की आय व्यय का ब्योरा मांगा है। साथ ही अधिशासी अधिकारी से उनकी एवं परिवार के सदस्यों की पिछले पांच वर्ष की आईटीआर मांगी गई है। लोनी के जावली गांव निवासी उदयवीर सिंह ने उप लोक आयुक्त के पास शिकायत भेजकर लोनी नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी केके मिश्रा पर अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। उन्होंने बताया कि लोनी नगर पालिका परिषद द्वारा सफाई के नाम पर 4 करोड़ रुपये प्रति माह भुगतान किया जा रहा है। जबकि सफाई न किए जाने से सड़कों व नालियों में गंदगी के अंबार लगे हुए हैं। उप लोक आयुक्त ने अधिशासी अधिकारी से चार जून वर्ष 2025 तक उनकी एवं परिवार के प्रत्येक सदस्य की आईटीआर की प्रति मांगी है। लोनी के जावली गांव निवासी एवं खतौली विधायक मदन भैया भी प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चार करोड़ रुपये के सफाई की निविदा की जांच एसआईटी व अन्य किसी एजेंसी से कराने की मांग कर चुके हैं। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी केके मिश्रा ने बताया कि उन्हें नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलने पर जवाब दिया जाएगा।

स्वतन्त्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति अपने मासिक कार्यक्रम मे शहीदो और स्वतंत्रता सेनानियो को श्रद्धापूर्वक यादकर,पहलगाव के मृतको श्रद्धांजलि दी

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

मोतिहारी।। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को देशभर में चलाए जा रहे' 10 बजे 10 मिनट स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीदों के नाम' कार्यक्रम अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिला स्वतंत्रता सेनानी परिवार समिति द्वारा रविवार को गांधी आश्रम बंजरिया पंडाल स्थित शहीद स्मारक मे शहीदो के शिलापटट के साथ स्वतंत्रता सेनानी कमला बाबू के चित्र पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धापूर्वक याद किया।

उक्त अवसर पर राष्ट्र गान की प्रस्तुति हुई, इसके साथ पहलगांव के मृतक पर्यटको को श्रद्धांजलि भी दी गई।कार्यक्रम मे काफी लोगो की भागीदारी हुई। स्वतंत्रता सेनानियो के परिकल्पना का भारत विषय के विचार सत्र को संबोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर अमरदेव ने कहा कि चंपारण सत्याग्रह के कारण इस जिले मे काफी संख्या मे सेनानी परिवार है।समिति द्वारा चरित्र निर्माण की दिशा मे देश मे लगातार कार्यक्रम हो रहा है,लेकिन सेनानियो के परिकल्पना का अब तक राष्ट्र नही बना,हमे इस अधुरे कार्य को करना है।

प्रदेश महासचिव अशोक वर्मा ने कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को 10 बजे 10 मिनट शहीदो और सेनानियो के नाम का यह कार्यक्रम देश मे क्रांति ला सकता है।उन्होने कहा कि देश मे नैतिक पतन होने का मुख्य कारण शहीदो और सेनानियो की उपेक्षा है।

अध्यक्षीय भाषण मे प्रो विजय शंकर पाण्डेय ने कहा कि यह अभियान गांव तक जाना चाहिये।

संबोधित करने वालो मे,कौशल किशोर पाठक,प्रोफेसर खुशवंत, ध्रुव त्रिवेदी,सिद्धार्थ वर्मा, अजहर हुसैन अंसारी, शिवपूजन, अजय श्रीवास्तव के अलावे अन्य काफी लोग थे।कार्यक्रम मे काफी संख्या मे उत्तराधिकारी परिवार के लोग शामिल हुये।

वृद्धा पेंशन के लाभार्थियों का होगा वेरिफिकेशन

एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली सरकार गरीब बुजुर्गों को हर महीने मिलने वाली पेंशन को गलत तरीके से हड़पने वालों की पहचान कर उनके नाम को हटाएगी। उनकी जगह नए पात्र लोगों को पेंशन देगी। इसके लिए समाज कल्याण विभाग पहली बार हाउस टू हाउस थर्ड पार्टी फिजिकल वेरिफिकेशन (भौतिक सत्यापन) शुरू करने जा रहा है।

इससे फर्जी तरीके से पेंशन उठाने वालों की पहचान हो सकेगी। समाज कल्याण विभाग कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद इस अभियान को शुरू करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभाग को लग रहा है कि फर्जी तरीके से पेंशन लेने वालों की संख्या 30 प्रतिशत तक हो सकती है।

हालांकि वेरिफिकेशन के बाद ही सही तस्वीर सामने आ पाएगी। इसी के साथ पेंशन लेने वालों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। अभी 2011 की जनगणना के अनुसार 5 लाख 30 हजार बुजुर्गों को ही पेंशन मिल सकती है।मौजूदा समय में वृद्धावस्था आर्थिक सहायता योजना के अन्तर्गत 60- 69 आयु वर्ग के गरीब वृद्धजनों को 2000 रुपए प्रतिमाह (अनुसूचित जाति, जन जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए अतिरिक्त 500 रुपए प्रतिमाह) और 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के गरीब वृद्धजनों को 2500 रुपए रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

लेकिन विभाग को अंदेशा है कि कुछ लोगों की मौत होने के बाद भी उनके परिवार के लोग एनुअल लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर पेंशन उठा रहे हैं। यह भी अंदेशा है कि बहुत सारे लोग सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बावजूद इस योजना का लाभ गलत तरीके से ले रहे हैं। संपत्ति बढ़ने के बावजूद पेंशन लेने की भी आशंका है।

इसके अलावा विभाग को यह भी आशंका है कि दूसरे राज्यों में रहने वाले बुजुर्ग भी दिल्ली सरकार से पेंशन ले रहे हैं।

आश्चर्यजनक ! एक ओटीपी ने 5 साल पहले मृत मां-बेटी को किया जिंदा, जोधपुर से बरामद

ज्योति, संवाददाता

नई दिल्ली।। कहानी फिल्म के स्क्रिप्ट जैसी है लेकिन है हकीकत। एक आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए फोन पर आए एक ओटीपी ने पांच साल पहले कोरोना काल के दौरान नोएडा के बरौला इलाके से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई मां-बेटी अंजू देवी व मानसी का सुराग दे दिया। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने नोएडा से 650 किमी दूर राजस्थान के जोधपुर से बरामद किया है।

अंजू देवी वहां नेहा रोज के नाम से रह रही थी। जो एक ब्यूटी पार्लर चला कर अपना जीवन यापन कर रही थी। जो लंबी जांच के बाद तीन साल पहले पुलिस रिकार्ड में मृत घोषित हो चुकी थी। जिनका शव दिल्ली में शाहदरा इलाके में वेलकम के पास रेलवे ट्रैक पर मिला था। पति को छोड़ अन्य परिजनों ने उन शवों को देख उसकी पुष्टि लापता मां-बेटी के रूप में की थी।

पुलिस ने इस केस में एक नहीं दो बार फाइनल रिपोर्ट भी लगा दी लेकिन पत्नी व बेटी को मृत मानने को तैयार पति ने पुलिस पर केस में लापरवाही बरने का आरोप लगाते हुए नोएडा पुलिस के बड़े अफसरों को भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में तलब करा दिया था।

फिल्मी स्क्रिप्ट जैसी कहानी रची : अब मां-बेटी के बरामद होने के बाद पुलिस ने अदालत को इसकी जानकारी दी। जहां एक बार फिर अदालत ने फाइनल रिपोर्ट के आधार पर बंद इस केस को दुबारा खोलने से पहले जांच अधिकारी से इस पूरे प्रकरण की जानकारी मांगी है। वहीं मामले में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने तत्कालीन जांच अधिकारी, थाना प्रभारी सेक्टर-49 व एसीपी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए है। वहीं सवाल यह भी है कि जिन मां-बेटी के शवों की शिनाख्त हुई वह असली में कौन थी।

जानकारी के मुताबिक थाना सेक्टर-49 में अवधेश शर्मा ने 3 जुलाई वर्ष 2020 में थाना सेक्टर-49 में पत्नी अंजू देवी व नौ साल की बेटी मानसी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उस वक्त कोरोना चल रहा था। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि उनकी पत्नी को देवानंद नाम के व्यक्ति ने कहीं छुपा रखा है।

सर्विलांस की मदद से लोकेशन ट्रैक की : पुलिस ने जांच की लेकिन देवानंद की कोई भी भूमिका नहीं पाई गई। पुलिस ने दो साल तक दोनों की तलाश का दावा किया और इसके बाद फाइनल रिपोर्ट 6 नवंबर 2022 को लगा दी। वहीं नवम्बर 2022 में शाहदरा इलाके में वेलकम स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मां-बेटी के शव मिलने की जानकारी पुलिस को हुई।

इसके बाद अवधेश के ससुराल वालों को लेकर पुलिस शव की शिनाख्त के लिए ले गई। जहां शवों के फोटों के आधार पर उन्होंने शव की शिनाख्त मां-बेटी के रूप में की। पुलिस ने इस आधार पर एक बार फिर केस में फाइलन रिपोर्ट लगा दी। अब तीन साल बाद 23 अप्रैल 2025 को अवधेश के मोबाइल पर अलग अलग फोन नंबरों से बेटी के आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट करने के ओटीपी आए।

जिसे देख वह चौंक गए और थाना सेक्टर-49 पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। इसके बाद थाना पुलिस ने उन तीनों नंबरों की सर्विलांस की मदद से लोकेशन ली। नंबर राजस्थान के जोधपुर के थे। पुलिस की एक टीम तीन दिन पहले अवधेश को लेकर जोधपुर पहुंची। जहां देवनगर इलाके के एक किराए के कमरे में पहले लापता फिर पुलिस रिकार्ड में मृत हो चुकी मां-बेटी सकुशल मिल गई।

भोजन में ज्यादा नमक डालने को लेकर हुए विवाद में दोस्त की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली।। अमर कॉलोनी इलाके में भोजन में बनाते समय नमक ज्यादा डालने को लेकर दो दोस्तों में झगड़ा हो गया। इस दौरान एक दोस्त ने दूसरे पर कांच की बोतल से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल शख्स ने अपने बचाव में आरोपी पर हमला किया, जिससे वह भी घायल हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती किया, जहां डॉक्टरों ने 30 वर्षीय राकेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि आरोपी लालजी को उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कांच की बोतल भी बरामद कर ली है।

पुलिस उपयुक्त रवि कुमार ने बताया कि राकेश उत्तर प्रदेश के उन्नाव के गांव इंधानी मऊ का रहने वाला था। दिल्ली में मजदूरी करता था और निर्माणाधीन इमारत में ही रहता था, जबकि उसकी पत्नी लुधियाना में अलग रहती है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि राकेश, आरोपी लालजी, तेजीलाल और रामजीवन एक ही गांव के रहने वाले हैं। सभी दिल्ली में मजदूरी करते हैं। वर्तमान में पी18 प्राइवेट कॉलोनी एसएन पुरी स्थित एक इमारत में मजदूरी कर रहे हैं। सात मई की रात करीब 9 बजे राकेश भोजन बना रहा था। इसी दौरान लालजी ने भोजन में नमक कम रखने के लिए कहा। राकेश ने विरोध करते हुए कहा कि अब भोजन बना दिया है, खा लेना। इस बात को लेकर राकेश और लालजी के बीच विवाद हो गया। लालजी ने राकेश पर कांच की बोतल से हमला कर दिया। राकेश ने भी अपने बचाव में बोतल के टूकड़े से लालजी पर वार कर घायल कर दिया। राकेश गंभीर रूप से घायल हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस 2025 के अवसर पर दिल्ली विधानसभा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्ली।। दिल्ली विधानसभा में अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस 2025 के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे 'थैलेसीमिया रोगियों के लिए देखभाल, गरिमा और आशा से भरे भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास करें'। उन्होंने थैलेसीमिया से जूझ रहे रोगियों और उनके परिवारों की दृढ़ता की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

यह कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा परिसर में नेशनल थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी (ञ्ऊंए) के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधान सभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता उपस्थित थे। उनके साथ प्रमुख अतिथियों में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,श्रीमती विनीता श्रीवास्तव भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं डॉ. जे.एस. अरोड़ा एनटीडब्ल्यूएस के महासचिव उपस्थित थे।

इस वर्ष की वैश्विक थीम 'थैलेसीमिया के लिए एक साथः समुदायों को एकजुट करना, रोगियों को प्राथमिकता देना' के अनुरूप कार्यक्रम में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। अपने संबोधन में श्री गुप्ता ने कहा, 'आज का दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि थैलेसीमिया की रोकथाम, जागरूकता और सहयोग के प्रति हमारे नवनिर्मित संकल्प का प्रतीक होना चाहिए।'

भारत थैलेसीमिया से सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक है, जहां 5 करोड़ से अधिक वाहक और प्रतिवर्ष अनुमानित 12,000 से 15,000 बच्चे थैलेसीमिया मेजर के साथ जन्म लेते हैं। अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण एकमात्र स्थायी उपचार है, लेकिन इसकी लागत अत्यधिक है और यह डोनर की उपलब्धता पर निर्भर करता है। परिणामस्वरूप अधिकांश रोगियों को आजीवन रक्त संक्रमण और आयरन की कमी को दूर करने वाली चिकित्सा पर निर्भर रहना पड़ता है, जिसकी वार्षिक लागत लगभग ?2 लाख तक होती है।

इस चुनौती को देखते हुए दिल्ली सरकार पंजीकृत रोगियों को ये उपचार निःशुल्क प्रदान करती है। श्री गुप्ता ने रक्त संक्रमण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्टिंग (NAT) को अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उन्होंने बताया कि थैलेसीमिया मेजर तभी होता है जब माता-पिता दोनों वाहक होते हैं। उन्होंने वाहक स्क्रीनिंग और प्रसव के पूर्व परीक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा लोक नायक अस्पताल में उपलब्ध निःशुल्क एंटेनाटल टेस्टिंग सेवाओं की जानकारी साझा की। श्री गुप्ता ने स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों और मीडिया से इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने और जन-जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में थैलेसीमिया से जान गंवाने वालों की स्मृति में एक प्रतीकात्मक पौधारोपण भी किया गया, जो एक ऐसे भविष्य की आशा का प्रतीक था, जहाँ यह पीड़ा समाप्त हो। उन्होंने ञ्ऊंए, थैलेसीमिक इंडिया, थैलेसीमिया इंटरनेशनल फेडरेशन, चिकित्सा विशेषज्ञों और स्वैच्छिक रक्तदाताओं के कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में माननीय अध्यक्ष श्री गुप्ता ने कहा,'आपकी शक्ति हमें प्रेरणा देती है, आपका साहस हमारा संबल है और इस प्रयास में दिल्ली सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है।

सुबह खाली पेट खाएं नीम पेड़ के पत्ते , सेहत को मिलेंगे सैकड़ो फायदे, डायबिटीज पर लगेगी लगाम

नीम औषधीय गुणों से भरपूर पेड़ है, जिसके पत्तों को सेहत के लिए वरदान माना जाता है. नीम को आयुर्वेद में आरोग्य वृक्ष माना गया है. इसकी पत्तियों में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं. सुबह खाली पेट नीम के कुछ पत्ते चबाने से शरीर को गजब के फायदे मिल सकते हैं. नीम के पत्ते शरीर को अंदर से साफ करते हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करते हैं. नीम के पत्तों के लाभ जानकर आप चौंक जाएंगे.

यूपी के हाथरस स्थित प्रेम रघु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सरोज गौतम ने नै18 को बताया कि नीम के पत्ते चबाने से शरीर नेचुरल तरीके से डिटॉक्स हो सकता है. नीम की पत्तियों में मौजूद डिटॉक्सिफाइंग गुण शरीर से जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं. सुबह खाली पेट ये पत्ते चबाने से लिवर और किडनी की फंक्शनिंग बेहतर होती है और खून भी साफ होता है. इससे त्वचा पर निखार आता है और मुंहासों जैसी समस्याएं भी कम हो जाती हैं.

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के अनुसार नीम के पत्तों में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल तत्व शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार होते हैं. अगर नियमित रूप से सुबह नीम की पत्तियों का सेवन किया जाए, तो मौसमी संक्रमण, सर्दी-खांसी और वायरल बीमारियों से बचा जा सकता है. पेट के लिए नीम के पत्ते बेहद लाभकारी होते हैं. नीम पाचन को संतुलित करता है और कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी समस्याओं में राहत देता है. सुबह इसका सेवन करने से पाचन रसों का स्राव बेहतर होता है, जिससे भोजन जल्दी और सही तरीके से पचता है. यह पेट के कीड़ों को भी खत्म करने में मदद करता है.

डॉक्टर सरोज ने बताया कि डायबिटीज के मरीजों के लिए नीम की पत्तियां बेहद लाभकारी होती हैं. इनका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है. आयुर्वेद में जिक्र है कि नीम के पत्तों में पाया जाने वाला कषाय रस शरीर में मधुर रस को कम करने में मदद करता है. कषाय रस इंसुलिन संवेदनशीलता को भी बढ़ाता है. नीम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं. यह झाइयों, दाग-धब्बों और मुंहासों से राहत दिलाने में मदद करते हैं.

एक साधारण उंगली के टेस्ट से पता कर लीजिए आपके फेफड़े में कितनी जान है

लग्स हमारे लिए जीवन देने वाली ऑक्सीजन की छन्नी है. यह हमें शुद्ध ऑक्सीजन छानकर दे देता है और खराब वायु को बाहर निकाल देती है. अगर लंग्स मजबूत होगा तो हमें ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति होती रहेगी. लेकिन आपके फेफड़े कितने मजबूत है, यह कैसे जानेंगे. दरअसल, एक अध्ययन में कहा गया है कि इसे आप उंगली की जांच से भी जान सकते हैं. इसके लिए किसी डॉक्टर के पास भी जाने की जरूरत नहीं है. आइए जानते हैं कि इस टेस्ट को कैसे करना है.

कैसे करें इसकी जांच : मायो क्लीनिक के मुताबिक अगर आपके हाथों की उंगलियों में जरूरत से ज्यादा लचीलापन है तो यह लंग्स डिजीज के संकेत हो सकते हैं. जोड़ों में ज्यादा लचीलेपन को इहलर डानलोस सिंड्रोम (EDS) कहा जाता है. इसमें आपको 5 तरह के काम करने होते हैं. सबसे छोटी उंगलियों को 90 डिग्री पर पीछे की ओर मोड़िए, अंगूठे को अग्रभाग से छूने की कोशिश कीजिए, कोहनी और घुटनों को 10 डिग्री से ज्यादा सीधा करने की कोशिश कीजिए और अंत में बिना घुटने मोड़े हाथों की हथेलियां ज़मीन पर रखने की कोशिश कीजिए. अगर आप इन पांचों तरह के टेस्ट को कर लेते हैं तो इसका मतलब है कि आपके लंग्स में गंभीर समस्या है. वयस्कों में 5 अंक से अधिक का स्कोर होना हाइपरमोबिलिटी का संकेत है. यह EDS (एलर्स-डैनलोस सिंड्रोम) को बढ़ा देता है. एक्सपर्ट के मुताबिक जोड़ों में अत्यधिक लचीलापन एक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति एलर्स-डैनलोस सिंड्रोम का संकेत हो सकते हैं. इस बीमारी में सांसों से जुड़ी बीमारियों का खतरा जटिल हो सकता है. घर पर किया गया एक सरल लचीलापन परीक्षण इस छिपे हुए जोखिम को उजागर कर सकता है. यह जांच यह समझने के लिए की जाती है कि क्या आपके ज्वाइंट सामान्य गति सीमा से परे जाकर मुड़ सकते हैं.

हालांकि ज्यादातर लोगों में यह कोई चिंता की बात नहीं होती, लेकिन कुछ मामलों में यह EDS एक गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है. यह रोग आपके कनेक्टिंग टिशू, स्किन, जोड़ और ब्लड वैसल्स की दीवारों को प्रभावित करता है. मायो क्लिनिक के मुताबिक इस स्थिति वाले लोगों की स्किन भी बहुत पतली, कोमल और नाजुक होती है और इसकी वजह से नुकसान उठाना पड़ता है. अगर ऐसे व्यक्ति को किसी कारण टांके लगाने की ज़रूरत पड़े तो कमजोर स्किन की वजह से टांके ठीक से नहीं टिकते और घाव जल्दी नहीं भरता. कनेक्टिंग टिशू शरीर को संरचना, मजबूती और लचीलापन देते हैं. अगर वे कमज़ोर हो जाएं तो शरीर की भरपाई की क्षमता भी घट जाती है. इस स्थिति का गंभीर रूप ब्लड वैसल्स आंतों या गर्भाशय की दीवारों को फाड़ सकता है. ऐसे मरीजों में सांस से संबंधित समस्याएं जैसे कि सांसें फूलना, गहरी सांस लेने में कठिनाई, स्लीप एपनिया, खांसी, घरघराहट और सांस लेते के दौरान दर्द की समस्या हो सकती है.

गर्मी में नमक की कमी ज्यादा खतरनाक, अचानक आ सकती है बेहोशी, हार्ट पर भी खतरा

गर्मी में शरीर में नमक की कमी ज्यादा खतरनाक हो सकती है. इस कारण अचानक बेहोशी और यहां तक कि हार्ट डिजीज भी हो सकती है. इसलिए गर्मी में नमक की कमी नहीं होने दें.

गर्मी में शरीर में अगर सोडियम की कमी हो गई तो इससे हार्ट अटैक भी आ सकती है. इसलिए गर्मी में सोडियम की कमी कभी न होने दें. सोडियम हमारे शरीर का इलेक्ट्रोलाइट्स है जो मैग्नीशियम और पोटैशियम के साथ मिलकर हमारे शरीर में इलेक्ट्रिक सिग्नल को बनाता है. इतना ही नहीं सोडियम शरीर में पानी और फ्लूड को बैलेंस करता है. अगर शरीर में सोडियम की कमी हो जाए तो अचानक बेहोशी आ सकती है. इससे हार्ट की बीमारियां परेशान कर सकती है. कमजोरी और थकान इतनी ज्यादा हो जाती है कि इससे चलना मुश्किल हो जाता है.

सोडियम की कमी क्यों होती : मायो क्लीनिक के मुताबिक गर्मी के दिनों में यदि आप बहुत ज्यादा पानी पी लेंगे तो शरीर में सोडियम पेशाब या पसीने के रास्ते निकलता रहेगा. वैसे भी यह गर्मी के दिनों में पसीने से निकलने लगता है. हालांकि कई और वजहों से भी सोडियम की कमी हो सकती है. पेशाब वाली दवाएं, हार्ट डिजीज, लिवर डिजीज, उल्टी, डायरिया, हार्मोनल चेंज जैसे कारण इसके लिए ज्यादा जिम्मेदार हो सकते हैं.

सोडियम की कमी के लक्षण : सोडियम की कमी शरीर में होने लगे तो उल्टी और मतली आ सकती है. इससे सिर में तेज दर्द और चक्कर दोनों आ सकता है. दिमाग में कंफ्यूजन बहुत रहता है. बहुत ज्यादा इरीटेशन होती है, किसी काम में चैन नहीं मिलता. मांसपेशियों में ताकत बहुत कम हो जाता है. क्रैंप होने लगता है. गंभीर हालत में बेहोशी हो जाती है.

कितना होना चाहिए सोडियम : सोडियम की मात्रा को खून में जांचा जाता है. एक हेल्दी व्यक्ति के खून में सोडियम का स्तर 135 से 145 mEq/L के बीच होना चाहिए. अगर इससे ज्यादा है तो इससे हार्ट संबंधी कई परेशानियां हो सकती है. अगर इससे कम है तो दिमाग की कोशिकाएं कमजोर होती है जिससे ब्रेन संबंधी कई दिक्कतें हो सकती है.

सोडियम की कमी को कैसे पूरा करें : डब्ल्यूएचओ के मुताबिक एक वयस्क व्यक्ति को रोजाना 5 ग्राम नमक की जरूरत होती है. इनमें 2 ग्राम सोडियम होना चाहिए. इससे ज्यादा खाएंगे तो भी परेशानी है और इससे कम खाएंगे तो भी परेशानी है. ज्यादा सेवन से हाई ब्लडप्रेशर की बीमारी होती है.

कम खाने से दिमाग का नर्वस सिस्टम खराब होगा. सोडियम की कमी को पूरा करने के लिए कोई अतिरिक्त चीजों को करने की जरूरत नहीं है. बस बहुत ज्यादा पानी न पिएं लेकिन कम भी न पिएं.

कर्म और परमार्थ दोनों का बैलेंस जरूरी...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि नाहाजिर रहने पर भी केस जीत गए तो क्या कहेंगे? बाबा ने किया। यही कहते हैं ना कि बाबा ने किया। लेकिन कैसे किया बाबा ने? सर्वधर्म परित्यज्य, एक बाबा की शरण में आये तब बाबा ने काम किया। अब आगे पढ़ेंगेष्ठ

अब अठारहवें अध्याय में सर्व धर्म लेकिन कोई नहीं सोच पाता कि जब उस ज़माने में महाभारत के समय ना मुस्लिम थे, ना सिक्ख थे, ना ईसाई थे फिर भगवान ने कौन से धर्म की बात कही? ये कोई सोचता ही नहीं है। लेकिन हर इंसान के कितने धर्म हैं जिसके प्रति वो प्रतिबद्ध है। अगर वो कमिटमेंट मेरा पहला बाबा के साथ हो तो कहेंगे कि हाँ पहला धर्म मैंने बाबा के साथ निभाया। तो बाकी के धर्म को बाबा सम्भाल लेता है। इसलिए गीता में सफलता का सूत्र बताया सर्वधर्म परित्यज्य, मामेकम शरणम रज। तब सफलता सहजता से अनुभव होगी और ये स्वीट साइलेंस का जो सुकून मिलता है वो तभी मिलेगा। लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं है कि लाइफ में इम्बैलेंस करें।

कर्म और परमार्थ दोनों का बैलेंस लेकर चलना है। व्यवहार और परमार्थ दोनों का बैलेंस लेकर चलना है। बैलेंस जीवन में बहुत ज़रूरी है। ये धर्मों को भी निभाने में बैलेंस बहुत ज़रूरी है। सर्व सम्बन्ध हमारे बाबा के साथ हों। लेकिन दुनिया के साथ जो सम्बन्ध निभाने का बैलेंस है वो भी हमें मेंटेंन करते हुए चलना है। ये नहीं कि नहीं अभी छोड़ दो इन सबको। छोड?ा भी नहीं है, इसीलिए हमेशा मिसाल दिया जाता है- एक तो कमल पुष्प, दूसरा गुलाब का पुष्प। पहला क्या बनना है? गुलाब के पुष्प और कमल के पुष्प में क्या अंतर है? लेकिन पहला क्या बनना है कमल या गुलाब? अच्छा कैसे बनेंगे गुलाब? कमल का इसलिए कहा क्योंकि कमल की गृहस्थी बहुत बड़ी होती है। लेकिन उसके बावजूद भी न्यारा है और उसकी पंखुड़ियां इतनी कोमल कि कोई कीचड़ भी ठहर नहीं सकता। तो इसी तरह शुरू में जब हम बाबा के पास आते हैं तो कमल की तरह। रहना सबके बीच में है, बैलेंस से चलना है। उनका कीचड़ हमारे पर न लगे। इतना न्यारा और प्यारा होकर रहना है।

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

लेकिन फिर कमल के साथ-साथ पुरूषार्थ है हमारा गुलाब बनने का। गुलाब जो है ना वो भले जैसे कहा कि खाद से वो खुशबू देता है, कांटों के बीच में रहता है लेकिन एक गुलाब जब सम्पूर्ण खिल जाता है, खिलने के बाद उसकी पंखुड़ियां झड़ जाती हैं, वो पंखुड़ियां छोड़ देता है लेकिन कमल पंखुड़ियां छोड़ता नहीं है। वो न्यारा-प्यारा ज़रूर है, अपनी पंखुड़ियों पर कीचड़ लगने ही नहीं देता है। नीचे हो जाता है। तो पहले कमल होते हैं, कमल बनते हैं और फिर कमल के बाद हमारा पुरूषार्थ है गुलाब बनने का। जो एकदम ऐसे न्यारे हो जायें धीरे-धीरे सारी रेस्पॉन्सिबिलिटी को भी हमने निभाकर उसको भी पूरा कर सम्पन्न कर दिया। किसी को नाराज़ भी नहीं किया। सम्पूर्ण खिला हुआ रहे। अपनी खुशबू भी फैलाई। लेकिन सम्पूर्ण खिल करके सारी पत्तियों को झड़ करके बीच का जो बुर रह गया माना अशरीरी हो गया। तो ये स्वीट साइलेंस है।

दिल्ली में 1,530 करोड़ रुपये में बिकी रेलवे की जमीन, किसने खरीदी, क्या है प्लान? जानिए सबकुछ

एजेंसी

नई दिल्ली।। बेंगलुरु की रियल एस्टेट कंपनी बागमने ग्रुप ने दिल्ली के द्वारका सेक्टर 21 में रेलवे की एक जमीन खरीदी है। यह जमीन 124,000 वर्ग मीटर में फैली है। कंपनी ने इसके लिए 1,530 करोड़ रुपये दिए हैं। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) ने 2023 में ही बागमने की बोली को स्वीकार कर लिया था। लेकिन जमीन पर लगे पेड़ों को हटाने की वजह से यह सौदा अटक गया था। अब कंपनी ने दिल्ली में ही पेड़ों को दूसरी जगह लगाने के लिए जमीन ढूंढ ली है। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। खरीदी गई जमीन का इस्तेमाल रेजिडेंशिल (55%) और कमर्शियल (45%) डेवलपमेंट के लिए किया जा सकता है। इस जमीन के पास ही एक नया रेलवे स्टेशन बन रहा है। इससे इस इलाके में लोगों की आवाजाही बहुत बढ़ जाएगी।

दिल्ली-NCR में प्रॉपर्टी बाजार हमेशा से ही निवेशकों को पसंद रहा है। यहां घर खरीदने की मांग हमेशा ज्यादा रहती है। इसलिए कई बड़ी कंपनियों ने जमीन खरीदी है। सिर्फ मकान ही नहीं, दुकानें, ऑफिस, फैक्ट्रियां और गोदाम बनाने के लिए भी जमीन की खूब मांग है। रियल एस्टेट कंपनी CBRE के चेयरमैन और CEO अंशुमन मैगजीन ने कहा कि इस डील से पता चलता है कि निवेशकों का भरोसा इस सेक्टर में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह तेजी 2025 में मजबूत होगी। इससे भारत दुनिया में प्रॉपर्टी के लिए सबसे अच्छी जगह बना रहेगा।'

बागमने ग्रुप प्रोफाइल : बागमने ग्रुप एक बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। यह टेक्नोलॉजी पार्क और ऑफिस बनाने में एक्सपर्ट है। कंपनी के पास अभी 18 मिलियन वर्ग फीट से ज्यादा की प्रॉपर्टी है। इसके अलावा, 10-15 मिलियन वर्ग फीट की प्रॉपर्टी बनाने की योजना चल रही है। बागमने ग्रुप बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली-चीं जैसे शहरों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। कंपनी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REIT) में लिस्ट होने की तैयारी कर रही है। REIT एक तरह का म्यूचुअल फंड होता है जो प्रॉपर्टी में निवेश करता है। मार्च में बागमने ने चेन्नई में कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस का पुराना ऑफिस 612 करोड़ रुपये में खरीदा था।

17 साल बाद पाकिस्तान को मिला गहरा जख्म, ऑपरेशन सिंदूर से पड़ोसी देश के शेयर बाजार में मच गई खलबली

नई दिल्ली।। भारत की ओर से पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हुए हमले के बाद से पाकिस्तानी शेयर मार्केट औंधे मुंह गिर गई है। दो दिन में कराची स्टॉक एक्सचेंज (KSE-100) में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ गई है। वहीं आज गुरुवार को KSE-100 में गिरावट का नया रेकॉर्ड बना दिया। आज KSE-100 कारोबार के दौरान 9 फीसदी तक की गिरावट आ गई। पाकिस्तानी शेयर मार्केट में यह साल 2008 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट है। स्थिति यह हो गई थी कि आज कारोबार के दौरान पाकिस्तानी शेयर मार्केट में कुछ देर के लिए कारोबार रोकना पड़ गया।

KSE-100 इंडेक्स पिछले चार दिनों में 9.7% नीचे आ गया है। भारत के साथ बढ़ते तनाव के कारण निवेशकों में डर का माहौल है और वे तेजी से शेयर बेच रहे हैं। पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार को एक घंटे के लिए ट्रेडिंग रोक दी गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बेंचमार्क इंडेक्स 6.3% गिर गया था। एक्सचेंज ने इसकी जानकारी दी।

शेयरों में भारी बिक्री : गुरुवार को पाकिस्तानी शेयरों की भारी बिक्री हुई। इससे पहले बुधवार को भी KSE-100 में 6,500 अंकों की बड़ी गिरावट आई थी। बुधवार को बाजार खुलते ही शेयर तेजी से गिरे और 3.1इ नीचे बंद हुए। यह गिरावट तब शुरू हुई जब भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। यह कार्रवाई अप्रैल के अंत में भारतीय कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

बॉन्ड पर भी पड़ा असर : KSE-100 इंडेक्स में आई गिरावट का असर पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय बॉन्ड बाजार पर भी पड़ा। साल 2036 में मैच्योर होने वाले बॉन्ड की कीमत सबसे ज्यादा गिरी। Tradeweb के आंकड़ों के अनुसार, यह 1 सेंट से ज्यादा गिर गया है।

पहले भी रोकी गई ट्रेडिंग इस महीने पहले भी ऐसा ही हुआ था। तब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार शुल्क की घोषणा की थी, जिसके बाद पाकिस्तान के बाजार में 8,700 अंकों की गिरावट आई थी और ट्रेडिंग रोकनी पड़ी थी। जानकारों का कहना है कि भारत पाकिस्तान की इस लड़ाई का पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था और निवेशकों की भावनाओं पर बुरा असर पड़ेगा।

जितना सोचेंगे...उतना परिस्थिति हमारे ऊपर हावी होगी...

हमारी आत्मा भी एक बैटरी की तरह है। खुशी तब महसूस होती है, जब ये बैटरी अच्छी तरह से चार्ज्ड होती है। शान्ति, सुख और प्यार भी महसूस होते हैं। जब ये बैटरी चार्ज्ड होगी, तो हम देने वाले बन जाएंगे। डिस्चार्ज्ड होगी तो लेने वाले बनेंगे। हर परिस्थिति में ध्यान में रखना है कि मन की शक्ति कम न हो।

आज आप देखो कि हर किसी को खुशी चाहिए। इतना कुछ कमा लिया, सबकुछ आ गया, परिवार इतना अच्छा है, शरीर स्वस्थ है। फिर भी हाथ उठा रहे हैं कि खुशी चाहिए। हम खुशी को निरंतर अनुभव क्यों नहीं कर पा रहे हैं? क्योंकि सारा दिन जो बातें आती हैं, जो मेरे अनुसार नहीं हैं, उनमें मेरा सोचने का तरीका आत्मा की बैटरी को कम करता है। अगर आपके पास सबकुछ हो, लेकिन आत्मा की शक्ति कम है तो आपको खुशी अनुभव नहीं हो सकती। क्योंकि खुशी बाहर की चीज़ों से नहीं आती है।

मैं कहीं जा रही थी तो हमारे सामने वाली सीट पर एक भाई बैठे थे, जो लगातार अपने फोन को स्क्रॉल कर रहे थे। तो हमने पूछा आप क्या कर रहे हैं? उन्होंने जवाब दिया कि हमारे ऑफिस में आग लग गई है और सारा सामान जल गया है। मैंने उनका चेहरा देखा और पूछा कि आप ठीक हैं? तो उन्होंने कहा हां, ऑफिस जला है, लेकिन सबकुछ ठीक है। कितनी अच्छी बात है ना। उनका ऑफिस पूरा जल गया था, लेकिन मन पर जलन का असर नहीं था। तो मन की स्थिति ने क्या किया कि परिस्थिति के ऊपर मन की स्थिति हावी हुई। और अगर ध्यान नहीं रखा तो मन की स्थिति पर परिस्थिति हावी होती है। जब मन की स्थिति परिस्थिति पर हावी होती है तो हम जीत जाते हैं। कहा भी जाता है- मन जीते जग जीते। हम उल्टा चलते हैं। हम कहते हैं सबकुछ जब मेरे अनुसार होगा तो हम खुश होंगे। मतलब पहले जग पर जीत पाएंगे फिर मन पर जीत पाएंगे।

अपना एक हाथ आगे करो और देखो कि हाथ में दर्द हो रहा है। यह एक परिस्थिति है। सुबह आप उठे ये बिल्कुल सुन्न, हाथ में बहुत दर्द हो रहा है। इसको अनुभव करो। ये परस्थिति है। जब ये हाथ पूरा दर्द हो रहा है तो क्या मन भी दर्द होगा? आप अनुभव करके देखो तो पता चलेगा। हाथ दर्द होगा तो क्या मन में भी दर्द होगा? नहीं।

मन में कब दर्द होगा, जब हम ये सोचने लगेंगे कि हमारे हाथ में यहां दर्द हो रहा है। जब तक आप सोचेंगे नहीं तब तक मन में दर्द नहीं हो सकता। लेकिन जब आपने सोचना शुरू किया कि क्यों दर्द हो रहा है, क्या हुआ, मुझे कैसे हो गया, अब आगे क्या होगा, तब सर में दर्द शुरू हो जाएगा। जब हाथ में दर्द हो रहा था तब मन में दर्द नहीं होगा। जब सोचने लगेंगे तब होगा। फिर चिंता होने लगेगी, घबराएंगे, डरेंगे तो जो हाथ का दर्द है वो और बढ़ जाएगा।

ये परिस्थिति है और यह मन की स्थिति है। परिस्थिति ठीक नहीं है। मन की स्थिति पर परिस्थिति का असर नहीं पड़ता। मन की स्थिति पर कब असर पड़ता है?

जब हम परिस्थिति के बारे में सोचना शुरू करते हैं। लेकिन जब मन की स्थिति पर असर पड़ता है तो मन की स्थिति का असर परिस्थिति पर पड़ना शुरू हो जाता है। तो कौन शक्तिशाली हुआ-परिस्थिति या मन की स्थिति?

रोहित शर्मा ने लिया संन्यास, भावुक हुआ टीम इंडिया का स्टार

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया. किसी ने सोचा भी नहीं था कि रोहित शर्मा इसी साल संन्यास का ऐलान कर देंगे. इस बीच भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने भी रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर कुछ कहा. उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा से मिली सीख को वह जिंदगी भर याद रखेंगे.

रोहित ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से एक महीने पहले बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया. भारत के अगले टेस्ट कप्तान बनने के प्रबल दावेदार गिल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रोहित अपनी टीम और विरोधी खिलाड़ियों के लिये भी प्रेरणास्रोत रहे हैं. गिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा ,'' एक कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर टेस्ट में आपने जो कुछ भी किया है, भारत उसके लिये शुक्रगुजार है .''

उन्होंने कहा ,'' आप मेरे और उन सभी के लिये प्रेरणास्रोत हैं जिन्होंने आपके साथ या आपके खिलाफ खेला है . मैने आपसे बहुत कुछ सीखा है और हमेशा उसे याद रखूंगा. रिटायरमेंट की शुभकामनायें . आप सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहे हो. धन्यवाद कप्तान ''

बता दें कि रोहित शर्मा के जाने के बाद शुभमन गिल को बीसीसीआई टेस्ट टीम की कमान दे सकता है. शुभमन गिल ओपनिंग में भी उनकी जगह ले सकते हैं. तीन नाम ऋषभ पंत, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर पर हो चर्चा हो रही है कि इनमें से कोई टीम इंडिया के अगले टेस्ट कप्तान हो सकते हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई किसे टीम की कप्तानी सौंपते हैं.

कर्नल सोफिया कुरेशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और लिखी दो लाइन...

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत की मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने सोशल मीडिया पर एक खास संदेश दिया है। यह संदेश 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दो महिला अफसरों द्वारा मीडिया को जानकारी देने के बाद आया है। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ मीडिया के सामने आईं। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बताया। यह ऑपरेशन भारतीय सेना और वायु सेना ने मिलकर किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। सानिया मिर्जा ने अलग-अलग धर्मों की दो महिला अफसरों द्वारा जानकारी देने पर खुशी जताई है।

सानिया मिर्जा ने पत्रकार फेय डिसूजा के पोस्ट को शेयर किया। फेय डिसूजा ने कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका द्वारा दी गई जानकारी पर अपनी राय लिखी थी। डिसूजा ने लिखा था- इस ताकतवर तस्वीर में जो संदेश है, वह दिखाता है कि हम एक देश के तौर पर कैसे हैं। सानिया मिर्जा ने इस पोस्ट को शेयर किया। सानिया मिर्जा, जिनकी उम्र 38 साल है, भारत की सबसे बेहतरीन टेनिस खिलाड़ियों में से एक मानी जाती हैं। उन्होंने टेनिस में छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। 2015 में सानिया मिर्जा दुनिया की नंबर 1 डबल खिलाड़ी बनी थीं। उन्होंने पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी की थी, जो अब टूट चुकी है। सानिया मिर्जा का संदेश इस बात को दिखाता है कि वह देश की सुरक्षा और तरक्की में महिलाओं की भूमिका को कितना महत्व देती हैं। उन्होंने फेय डिसूजा के पोस्ट को शेयर करके यह भी बताया कि भारत एक ऐसा देश है जहां अलग-अलग धर्मों के लोग मिलकर रहते हैं और काम करते हैं।

क्या बॉलीवुड फेक और चोर है? 'ज्वेल थीफ' एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने किया खुलासा

बॉलीवुड पर अक्सर ये इल्जाम लगते रहे हैं कि बॉलीवुड नकल करके कॉन्टेंट तैयार करता है. नेपोटिज्म के आरोपों से बॉलीवुड कई बार घिरा रहा है. आउटसाइडर्स को काम न मिलने पर और अगर काम मिला तो भी स्टार किड्स के बाद तवज्जो मिलने पर, बॉलीवुड को घेरा जाता रहा है.

ज्वेल थीफ-द हाइस्ट बिगेन मूवी में सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ नजर आईं निकिता दत्ता इस बारे में क्या सोचती हैं. क्या निकिता दत्ता को भी बॉलीवुड फेक और चोर लगता है.

इस बारे में निकिता दत्ता ने एनडीटीवी के साथ अपने विचार साझा किए हैं. चलिए जानते हैं निकिता दत्ता इस बारे में क्या सोचती हैं.

> बॉलीवुड पर अक्सर ये इल्जाम लगते रहे हैं कि बॉलीवुड नकल करके कॉन्टेंट तैयार करता है . नेपोटिज्म के आरोपों से बॉलीवुड कई बार घिरा रहा है .

क्या बॉलीवुड फेक है : इस सवाल पर निकिता दत्ता के फेस पर एक बड़ी सी स्माइल नजर आती है. सवाल के बदले में वो उल्टा सवाल करती हैं कि फेक आखिर कौन नहीं है. निकिता दत्ता का कहना है कि फेक और रियल लोग हर जगह पर होते हैं. कोई जगह ऐसी नहीं होती जहां सौ फीसदी जेनुविन लोग मिल सकें. उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड पर अक्सर नेपोटिज्म के इल्जाम लगते रहे हैं. लेकिन उनका पर्सनल एक्सपीरियंस है कि बहुत से नेपो लोग बहुत अच्छे हैं और नॉन नेपो लोग बहुत बुरे हैं. कई बार ये एक्सपीरियंस उल्टा भी रहा है. निकिता दत्ता कहती हैं कि खामियां हर जगह है. इसलिए ये सही नहीं है कि पूरा बॉलीवुड ही कमियों से भरा है या फिर फेक है.

क्या बॉलीवुड का कंटेंट चोरी का है : इस सवाल पर निकिता दत्ता का कहना है कि कंटेंट चुराना आज के जमाने में आसान नहीं है. लेकिन आज जो भी काम होता है वो पहले के कामों से इंस्पायर है. निकिता दत्ता के मुकाबिक पुराने दौर के जो आर्टिस्ट रहे हैं या फिर क्रिएटर्स रहे हैं आज के सारे सितारे उन्हीं से इंस्पायर हैं. न सिर्फ भारत में बल्कि वर्ल्ड वाइड यही ट्रेंड चला आ रहा है. उनका कहना है कि पुराने कलाकारों से सीखना, उनसे प्रेरणा लेना गलत नहीं है.

'ये बेइज्जती बर्दाश्त नहीं...' सोनू निगम को माफी के बाद भी नहीं मिली राहत

सोनू निगम को कुछ समय पहले ही बेंगलुरु में हुए उनके कॉन्सर्ट के बाद से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से विरोध का सामना करना पड़ रहा है. सिंगर ने अपने कॉन्सर्ट के दौरान कन्नड़ भाषा पर एक विवादित टिप्पणी कर डाली थी जिसके बाद से कर्नाटक के लोगों के साथ ही कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के लोगों ने भी सोनू को निशाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ा. बढ़ते विवाद को देखकर सोनू निगम ने माफी भी मांग ली थी, लेकिन इसके बावजूद उनकी मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं.

इस विवाद के बीच कन्नड़ फिल्ममेकर्स ने बड़ा कदम उठाते हुए सिंगर को एक और झटका दे दिया है. उनके गाने को अपकमिंग कन्नड़ फिल्म 'कुलदल्लि कील्यावुडो' से हटा दिया गया है. फिल्म निर्माताओं ने पुष्टि की है कि सिंगर का गाना 'मनसु हाडतादे' फिल्म से हटा दिया गया है. इस गाने का निर्देशन के रामनारायण ने किया था, संगीत मनोमूर्ति ने दिया था और गीत योगराज भट ने लिखे थे. विवाद से पहले यह गाना काफी चर्चा में था.

फिल्ममेकर्स ने सोनू निगम पर अपनाया कड़ा रुख : फिल्म निर्माताओं ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया, 'इसमें कोई शक नहीं कि सोनू निगम एक अच्छे गायक हैं. लेकिन, हम उनके द्वारा हाल ही में एक कॉन्सर्ट में कन्नड़ के बारे में की गई टिप्पणी से बहुत नाराज हैं. हम कन्नड़ का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते, इसलिए हमने गाना हटा दिया है.' सोनू निगम की आवाज में गाना हटाने के बाद अब मेकर्स कन्नड़ गायक चेतन को ये गाना गाने के लिए लाए हैं. फिल्म के निर्माता संतोष कुमार ने भी घोषणा की है कि वह भविष्य में सोनू निगम के साथ काम नहीं करेंगे.

मिस वर्ल्ड के जज बनेंगे सोनू सूद, इंटरनेशनल मंच पर एक्टर को मिलेगा ये खास सम्मान

सोनू सूद लोगों की मदद के लिए हमेश तत्पर रहते हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने सामाजिक कार्यों से लोगों पर प्रभाव डाला है. कोरोना काल के दौरान एक्टर ने देशभर में लोगों की मदद की थी. सोनू सूद इस साल हैदराबाद में होने वाले मिस वर्ल्ड के ग्रैंड फिनाले में बतौर जज नजर आने वाले हैं.

31 मई, 2025 को हाईटेक सिटी हैदराबाद में मिस वर्ल्ड का फाइनल है और इस इवेंट में एक्टर को उनके मानवीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड दिया जाएगा. सोनू सूद को HITEX एरिना में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा.

कोरोना काल के दौरान से सोनू सूद ने अपनी फाउंडेशन सूद चैरिटी के माध्यम से देशभर में लोगों की मदद की और आज भी वो सोशल मीडिया के जरिए लोगों से जुड़े रहते हैं. एक्टर ने अपनी चैरिटी के जरिए लाखों लोगों की जिंदगी पर प्रभाव डाला है. उन्होंने हेल्थ एड, शिक्षा और कोरोना काल के दौरान लोगों को राहत उपलब्ध कराई थी.

क्या होता है ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड : ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड एक बेहद प्रतिष्ठित सम्मान है, जो उन लोगों को दिया जाता है जो समाज के प्रति अतुलनीय योगदान देते हैं. कोरोना काल के दौरान सोनू सूद के राहत कार्यों को देश ही नहीं पूरी दुनिया ने सराहा था. अब एक्टर को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर ये अवॉर्ड मिलने जा रहा है जिसके बाद से उनके फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है.

हमारा फाउंडेशन है बुद्धियोग और नींव है याद की यात्रा...

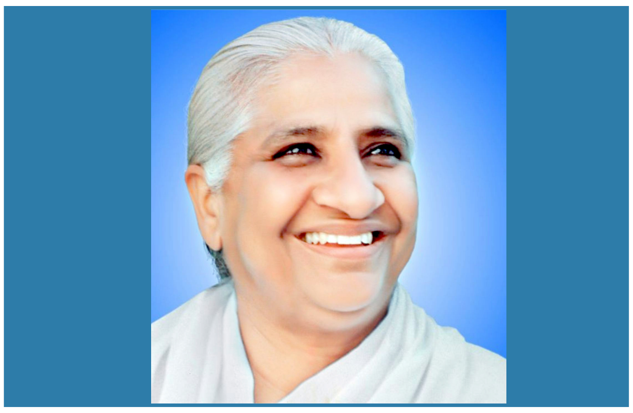

हम सभी प्यारे बाबा का हर मानव मात्र को शुभ सन्देश, शुभ पैगाम पहुंचाने वाले पैगम्बर अथवा संदेशी हैं। पैगम्बर कौन होता है? इस वैराइटी झाड़ में देखेंगे तो जो भी अपना-अपना धर्म स्थापन करके पैगम्बर बने हैं, वह आत्माएं अपने-अपने समय पर अपने प्यारे बाप के घर से डायरेक्ट आने के कारण सतोगुणी हैं। फिर पीछे चक्र में आते हैं लेकिन हम पैगम्बर उन सबसे निराले हैं। वे बाप के घर से मर्ज हुई आत्माएं आती हैं और हमें बाप सम्मुख में नॉलेज देकर पावन बना रहे हैं। बाप ने हमें सिर्फ नॉलेज नहीं दी लेकिन अपना बनाकर अधिकारी बनाया है, वर्सा दिया है। उन पैगम्बरों को तो कहा आप अपना-अपना पिल्लर खड़ा करो और हमें पैगम्बर बनाया कि तुम्हें सारे विश्व का नव निर्माण करना है। पुराने को खत्म कर नया करना है। सारी विश्व की आत्माओं को मुझ बाप को पैगाम देना है।

बाबा ने हम बच्चों को इस बेहद झाड़ की जड़ में राजयोगी बनाकर बिठाया है- नव निर्माण के लिए। याद की शक्ति का, पवित्रता की शक्ति का जल डालना है। हमें सारे नव निर्माण की नींव पर रखा है। जब कोई मकान बनाते तो उसका पहला आधार नींव पर रहता है। जितना फाउन्डेशन पक्का होगा उतना इमारत का प्लैन रखेंगे। वह पैगम्बर कोई मकान के फाउन्डेशन नहीं, वह तो मरम्मत करने वाले हैं। लेकिन हमें तो नई दुनिया के नव निर्माण के लिए फाउन्डेशन में बाबा ने अन्दर रखा है। हमारा बाबा है फाउन्डर, उसने हमें फाउन्डेशन में रखा है और कहा इसमें योग का बीज डालो, पवित्रता का बीज डालो और इस ज्ञान की शक्ति से इस इमारत को मजबूत करो।

एक तरफ हम नींव हैं, दूसरे तरफ हमें बाबा का पैगाम देना है कि बाप आया है- नव निर्माण करने। हमें बाबा ने सन्देशी बनाया है कि चारों तरफ मेरा सन्देश दो। एक तरफ हम राजयोगी, पवित्रता का दान देने वाले योगी बच्चे हैं, हमारा योग ही सहयोग है। पवित्रता ही हमारा सहयोग है। यही हम बाप को नव निर्माण के लिए सहयोग देते हैं। हम नव निर्माण के आधार हैं। हमारे आधार पर ही सृष्टि का उद्धार होना है। दूसरा हम पैगम्बर हैं।

वह पैगम्बर आते हैं अपना धर्म स्थापन करने और हम कल्प के आदि में आये फिर जा रहे हैं। अभी हम ऐसी नींव डाल रहे हैं जो 21 जन्म तक हमारा मकान सदा सजा सजाया रहे। तो हरेक ऐसी अपनी जवाबदारी समझते हो कि हम इस जड़ में बैठे हैं। अपनी कूट-कूट कर नींव पक्की कर रहे हैं? हमारा फाउन्डेशन है बुद्धियोग, नींव है याद की यात्रा। अगर हम नींव डालने वालों की बुद्धि भटकती है तो मकान का क्या होगा! अगर नींव डालने वाले, नींव डालते-डालते इधर-उधर चले जायें तो उस नींव का क्या होगा!

हम सभी नींव में हैं, कहते भी हैं बाबा हम आपके हैं। हमें तो सर्विस की बहुत धुन है। लेकिन बुद्धि को बाहर भटकाते, तो वह नींव हिलेगी या मजबूत होगी? अगर नींव में बैठे-बैठे निकल जाते तो उसके लिए बाबा कहता- तुम्हें 100 गुणा दण्ड मिलेगा। अगर आज कोई कान्ट्रेक्टर लिखा-पढ़ी करके कान्ट्रेक्ट ले और पीछे धोखा दे तो उस पर केस चल जाता। आपने भी बाबा के लेज़र में नाम लिखाया, फार्म भरा, अब कहो मैंने तो यह सोचा ही नहीं था कि फार्म भरा माना फंस गये। सोच कर फंसे ना! अच्छाई के लिए फंसे ना! बाप के प्यार में फंस गये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक ज्योति अरोड़ा एवं संपादक राकेश कुमार द्वारा लक्ष्य प्रिंटर्स 521/8बी, ग्राउंड फ्लोर, गली नं. 14, आदर्श मौहल्ला, मौजपूर, दिल्ली-53 से मुद्रित एवं सी-802, मयुर ध्वज अपार्टमेंट, गीता कालोनी, दिल्ली-110031से प्रकाशित। यूनिवर्सल मीडिया न्यूज़पेपर परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित है और उन्हीं के प्रेरणा स्त्रोत प्रकाशित किया जाता है। नोटः किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायलय ही मान्य होगा। रचनाओं, लेख और समाचार आदि से संपादक, प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक हैं। Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021